लेन-देनों का अभिलेखन - 2

4

अध्याय 3 में आपने सीखा कि व्यापारिक लेन-देनों को सर्वप्रथम रोजनामचे में प्रविष्ट किया जाता है तदुपरांत उसकी खतौनी खाता बही में की जाती है। एक छोटा व्यापारी संभवत: सारे लेन-देनों को एक ही पुस्तक - रोजनामचे में अभिलिखित कर सकता है। परंतु जब व्यवसाय का विस्तार हो जाता है तो लेन-देनों की संख्या में भी वृद्धि हो जाती है ऐसे में सभी सौदों की रोजनामचा प्रविष्टि एक बोझिल कार्य हो जाएगा। इसलिए व्यावसायिक लेन-देनों के फुर्तीले, दक्ष व विशुद्ध अभिलेखन के लिए रोजनामचे का वर्गीकरण विशिष्ट रोजनामचों में कर दिया गया है। कई व्यापारिक सौदों की प्रकृति पुनरावृति की होती है। इसलिए उन्हें आसानी से इन विशिष्ट रोजनामचों में अभिलिखित किया जा सकता है। क्योंकि इस प्रत्येक रोजनामचे को उस विशिष्ट लेन-देन के लिए ही बनाया जाता है। उदाहरणार्थ सभी रोकड़ संबंधी सौदों के लिए एक पृथक पुस्तक उधार बिक्री सौदों के लिए पृथक व उधार खरीद के लेन-देनों का अभिलेखन एक अलग पुस्तक में किया जा सकता है। इन विशष्ट रोजनामचों को दैनिक पुस्तकें अथवा सहायक पुस्तकें कहा जाता है। वह लेन-देन जिनका अभिलेखन किसी सहायक पुस्तक में नहीं होता उसको अन्य रोजनामचे में प्रविष्ट किया जाता है जिसे मुख्य रोजनामचा कहते हैं। लेखांकन कार्य में इन विशिष्ट रोजनामचों का प्रयोग न केवल समय की बचत करता है बल्कि श्रम के विभाजन में भी सहायक है। इस अध्याय में हम निम्न विशिष्ट उद्देश्य पुस्तकों की चर्चा करेंगे:

1. रोकड़ बही
2. क्रय (रोजनामचा)पुस्तक
3. क्रय वापसी (रोजनामचा)पुस्तक

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अध्ययन के उपरांत:

- विशिष्ट उद्देश्य वाली पुस्तकों की आवश्यकता का उल्लेख कर पाएंगे।
- रोकड़ बही में लेन-देनों का अभिलेखन कर उनकी खतौनी खाता बही में कर पाएंगे।
- खुदरा रोकड़ बही तैयार कर पाएंगे।
- विशिष्ट उद्देश्य वाली पुस्तकों में लेन-देन का अभिलेखन कर उनकी खतौनी खातों में कर पाएंगे।
- विभिन्न खातों को संतुलित कर पाएंगे।

© NCERT not to be republished

4. विक्रय (रोजनामचा)पुस्तक
5. विक्रय वापसी (रोजनामचा)पुस्तक
6. मुख्य रोजनामचा

4.1 रोकड़ बही

रोकड़ बही वह पुस्तक है जिसमें नकद प्राप्तियों व भुगतानों से संबंधित सभी लेन-देनों का अभिलेखन किया जाता है। इसे अवधि विशेष में नकद अथवा बैंकस्थ रोकड़ के प्रारंभिक शेष से आरंभ किया जाता है। साधारणत: यह प्रति मास बनाई जाती है। यह एक लोकप्रिय पुस्तक है इसलिए व्यापार चाहे छोटा हो या बड़ा, संस्था लाभार्जन के उद्देश्य वाली हो या गैर लाभकारी सभी रोकड़ बही अवश्य बनाते हैं। यही वह पुस्तक है जो रोजनामचा व खाता-बही दोनों के उद्देश्य पूर्ण करती है। क्योंकि रोकड़ बही में लेन-देनों की प्राथमिक प्रविष्टि की जाती है। इसलिए इसे मूल प्रविष्टि की बही भी कहते हैं। प्राय: यह प्रथा है कि जब रोकड़ बही रखी जाती है तो फिर रोकड़ संबंधित लेन-देनों का न हो तो रोजनामचे में ही लेखा किया जाता है और न ही रोकड़ व बैंकस्थ रोकड़ के लिए अन्य कोई खाता ही बनाया जाता है।

4.1.1 एक स्तंभीय रोकड़ बही

एक स्तंभीय रोकड़ बही में व्यापार के नकद संबंधित सभी सौदों को कालक्रमानुसार (तिथिनुसार) अभिलिखित किया जाता है, अर्थात् यह नकद प्राप्तियों तथा भुगतानों का पूर्ण प्रलेख है। जब व्यापार द्वारा सभी लेन-देन केवल नकद ही किए जाते हैं तो उस स्थिति में एक स्तंभीय रोकड़ बही बनाई जाती है। एक स्तंभीय रोकड़ बही का प्रारूप चित्र 4.1 में प्रदर्शित किया गया है।

पृ. सं. ....

रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*

चित्र 4.1: *एक स्तंभीय रोकड़ बही का प्रारूप*

इस रोकड़ बही में लेन-देनों का अभिलेखन आगे एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया गया है। मै. रूपा ट्रेडर्स के लेन-देनों का ध्यानपूर्वक अवलोकन कर देखें कि इनका अभिलेखन किस प्रकार किया गया है।

© NCERT not to be republished

तिथि 2005	विवरण	राशि (रु.)
नवम्बर		
01	हस्तस्थ रोकड़	30,000
04	गुरमीत द्वारा प्राप्त नकद	12,000
08	बीमा की वार्षिक किस्त का भुगतान	6,000
13	फर्नीचर का क्रय	13,800
16	माल का नकद विक्रय	28,000
17	मुदित से माल नकद खरीदा	17,400
20	स्टेशनरी का क्रय	1,100
24	रुकमणी को रोकड़ पूर्ण भुगतान	12,500
27	कमल को नकद माल बेचा	18,200
30	मासिक किराए का भुगतान किया	2,500
30	वेतन का भुगतान किया	3,500
30	बैंक में नकद जमा करवाए	8,000

रूपा ट्रेडर्स
रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
01 नवंबर	शेष आ/ला		30,000	08 नवंबर	बीमा		6,000
04 नवंबर	गुरमीत		12,000	13 नवंबर	फर्नीचर		13,800
16 नवंबर	विक्रय		28,000	17 नवंबर	क्रय		17,400
27 नवंबर	विक्रय		18,200	20 नवंबर	स्टेशनरी		1,100
				24 नवंबर	रुकमणी		12,500
				30 नवंबर	किराया		2,500
				30 नवंबर	वेतन		3,500
				30 नवंबर	बैंक		8,000
				30 नवंबर	शेष आ/ले		23,400
			88,200				88,200
01 दिसंबर	शेष आ/ला		23,400				

© NCERT not to be republished

एक स्तंभीय रोकड़ बही की खतौनी

जैसा कि चित्र 4.1 से स्पष्ट है कि रोकड़ बही का बाँया पक्ष रोकड़ की प्राप्तियों को दर्शाता है तथा दांया पक्ष नकद भुगतानों को इसलिए रोकड़ बही के नाम पक्ष में दर्शाए गए सभी खातों को खाता बही में क्रमश: जमा किया जाएगा क्योंकि उनका संबंध नकद की प्राप्ति से है। इसलिए हमारे उदाहरण में गुरमीत से प्राप्त नकद, रोकड़ बही में नाम पक्ष में लिखने का तात्पर्य गुरमीत से नकद प्राप्त करना है। खाता बही में गुरमीत के खाते के जमा पक्ष में खतौनी की जाएगी। बिल्कुल इसी प्रकार रोकड़ बही के जमा पक्ष में लिखे गए खातों को खाता बही में नाम पक्ष में लिखा जाएगा क्योंकि उनका संबंध रोकड़ के भुगतान से है। अब ध्यान दीजिए कि खाता बही में अन्य प्रविष्टियों की खतौनी किस प्रकार हुई है।

रूपा ट्रेडर्स की पुस्तकें

गुरमीत का खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005 04 नवंबर	रोकड़		12,000

विक्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005 16 नवंबर 27 नवंबर	रोकड़ रोकड़		28,000 18,200

बीमा खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 08 नवंबर	रोकड़		6,000				

© NCERT not to be republished

फर्नीचर खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 13 नवंबर	रोकड़		13,800				

विक्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 17 नवंबर	रोकड़		17,400				

स्टेशनरी खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 20 नवंबर	रोकड़		1,100				

रुकमणी का खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 24 नवंबर	रोकड़		12,500				

किराया खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 30 नवंबर	रोकड़		2,500				

© NCERT not to be republished

वेतन खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 30 नवंबर	रोकड़		3,500				

बैंक खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 30 नवंबर	रोकड़		8,000				

4.1.2 द्विस्तंभीय रोकड़ बही

इस प्रकार की रोकड़ बही में प्रत्येक पक्ष में राशि के लिए दो-दो स्तंभ होते हैं। आजकल अधिकतर व्यापारिक संगठनों में बैंक संबंधी लेन-देनों की संख्या काफी बड़ी संख्या में होती है। कई बार तो यह प्रयास भी होता है कि सभी प्राप्तियों अथवा भुगतानों को बैंक के माध्यम से ही किया जाए।

इसलिए व्यवसायी बैंक में चालू खाता खोलते हैं। इस खाते पर बैंक द्वारा कोई ब्याज नहीं दिया जाता बल्कि अपनी सेवाओं के बदले वह व्यापारी से कुछ शुल्क वसूल करता है जिसे बैंक प्रभार/बैंक शुल्क के नाम से जाना जाता है।

बैंक में रोकड़/चेक जमा कराने के लिए एक प्रपत्र/फार्म भरना पड़ता है। जिसे जमा पर्ची कहते हैं। (चित्र 4.2) जिसका प्रतिपर्ण बैंक जमा अधिकारी अपने हस्ताक्षर मुद्रित कर जमाकर्ता को रसीद के रूप में वापस लौटा देता है।

बैंक खाता धारक को रकम निकालने/आहरित के लिए खाली चेक भी जारी करता है। (चित्र 4.3) खाता धारक जिस भी व्यक्ति अथवा व्यापार को भुगतान करना चाहता है। चेक के Pay to के आगे बने खाली स्थान पर उसका नाम लिख देता है। चेक के प्रारूप में धारक (Bearer) शब्द मुद्रित होता है, जिसका अर्थ है कि भुगतान हेतु जिस व्यक्ति का नाम चेक में लिखा है उसे किया जाए अथवा चेक के धारक को। यदि धारक (Bearer) शब्द को काट दिया जाता है, तो इसका अर्थ है कि भुगतान केवल उसी व्यक्ति को किया जाएगा जिसका नाम चेक में लिखा है अथवा उसके द्वारा आदेशित व्यक्ति को समुचित छानबीन के बाद।

सामान्यत: चेक को व्यवहार में रेखांकित किया जाता है। रेखांकित चेक का भुगतान उस व्यक्ति को बैंक के काउन्टर पर नहीं किया जाता। इसका भुगतान बैंक के माध्यम से ही खाते में किया जाता

© NCERT not to be republished

है। एक चेक को रेखांकित तब माना जाता है जब चेक के मुख्यपृष्ठ पर बांयीं ओर दो समानान्तर रेखाएँ खीच दी जाती हैं। विभिन्न प्रकार के रेखांकन अलग-अलग तरह से चेक को सुरक्षा प्रदान करते हैं जिन्हें आगे चित्र (4.4)में देखा जा सकता है।

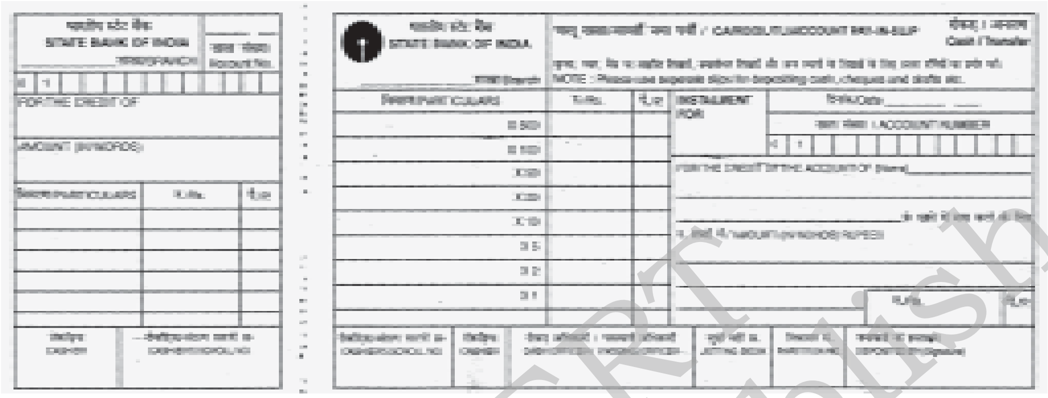
STATE BANK OF INDIA
FOR THE CREDIT OF
AMOUNT (IN WORDS)
CASHIER
STATE BANK OF INDIA
INSTALMENT FOR
ACCOUNT NUMBER

चित्र **4.2 :** *जमा पर्ची का प्रारूप*

यदि किसी चेक को A/c Payee only रेखांकित किया गया है तो उसमें लिखी गई राशि को केवल उसी व्यक्ति के खाते में जमा किया जाएगा जिसका नाम चेक में लिखा गया है। जब दो समानान्तर रेखाओं के बीच किसी बैंक विशेष का नाम लिखा गया हो तो इसे *विशिष्ट रेखांकन* कहा जाता है क्योंकि उस स्थिति में चेक का भुगतान उस व्यक्ति के विशेष बैंक (जिसका नाम लिखा है) वाले खाते में ही होगा।

चा.खा CA
Date ....20......
Pay
या धारक को or Bearer
रुपये Rupees
अदा करें
रु. Rs.
खाता सं. A/c No.
खा.ब.प. L.F.
INTLS.
केनरा बैंक CANARA BANK
जित सिंह मार्ग, नई दिल्ली – 110 067
Jit Singh Marg, New Delhi - 110 067
MCTI
⑈044786⑈ 110015015⑆ 11

चित्र **4.3 :** *चेक का प्रारूप*

© NCERT not to be republished

सामान्य व्यवहार में ऐसा प्रचलन बहुत कम है लेकिन यदि किसी चेक का रेखांकन A/c Payee only के रूप में नहीं किया गया है तो ऐसे चेक का हस्तांतरण आहर्त्ता अथवा भुगतान प्राप्तकर्त्ता के द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को भी किया जा सकता है। एक धारक (Bearer) चेक का भुगतान केवल काउंटर पर प्रस्तुती द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। एक आदेशित चेक (Order cheque) का भुगतान बेचान (endorsement) एवं प्रस्तुतीकरण करने पर हो जाता है। बेचान से तात्पर्य यह है कि विशिष्ट व्यक्ति के नाम से चेक भुगतान करने का आदेश उस पर स्पष्ट रूप से लिखित होना तथा बेचान करने वाले के हस्ताक्षर उस चेक के पृष्ठ भाग पर अंकित होना।

जब बैंक संबंधित लेन-देनों की संख्या अधिक हो तो यह सुविधाजनक होता है कि रोकड़ बही में उनके अभिलेखन की व्यवस्था एक अलग स्तंभ के रूप में ही कर ली जाए इससे बैंक खाते की स्थिति के विषय में भी समय-समय पर सूचना प्राप्त करना सरल हो जाता है। रोकड़ लेन-देनों की तरह बैंक से संबंधित लेन-देन की भी सभी बैंक प्राप्तियों को बाँई ओर व बैंक भुगतानों को दाहिने तरफ बैंक स्तंभ में लिखा जाता है। जब बैंक में रोकड़ जमा कारवाई जाती है या बैंक से रोकड़ निकाली जाती है दोनों ही स्थितियों को रोकड़ बही में अभिलिखित किया जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि इन सौदों के दोनों ही पक्ष रोकड़ बही में प्रस्तुत होते हैं। जब बैंक में रोकड़ जमा करवाई जाती है। तो एक ही समय में उसे रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में बाँई ओर अभिलिखित किया जाता है तथा राशि स्तंभ में दाँई ओर (भुगतान पक्ष) तथा बैंक से रोकड़ निकालने के लिए इसके विपरीत प्रविष्टि की जाती है। इस प्रकार की प्रविष्टियों के आगे **'C'** शब्द लिखा जाता है जिसका अर्थ है 'विपर्यय'। **'C'** शब्द को रो.ब.पृ.सं. स्तंभ में लिखा जाता है जिसका अर्थ है कि इस प्रविष्टि की खतौनी खाता बही में उपलब्ध नहीं है।

बैंक स्तंभ को छोड़कर रोकड़ इस स्तंभ की तरह ही संतुलित किया जाता है। हालांकि बैंक स्तंभ में कभी-कभी अधिविकर्ष के कारण जमा शेष की स्थिति भी हो सकती है। अधिविकर्ष की स्थिति तब आती है जब बैंक खाते से जमा राशि से अधिक आहरण कर लिया जाता है। प्राप्त चेकों से संबंधित प्रविष्टियों को रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में ही किया जाना चाहिए। जब एक चेक प्राप्त होता है। तो इसे उसी दिन बैंक में जमा कर सकते हैं यदि चेक उसी दिन बैंक में जमा कर दिया गया तो चेक की राशि को प्राप्ति पक्ष में बैंक स्तंभ में लिखा जाता है, लेकिन यदि चेक को किसी अन्य दिन बैंक में जमा करवाया जाए तो उस स्थिति में चेक प्राप्ति के दिन उसे रोकड़ प्राप्ति की तरह रोकड़ स्तंभ के प्राप्ति में प्रविष्ट करेंगे और जिस दिन उसे बैंक में जमा करवाया जाएगा उस प्रविष्टि का अभिलेखन विपर्यय लेन-देन की तरह किया जाएगा अर्थात् उसे रोकड़ स्तंभ के भुगतान व बैंक स्तंभ की प्राप्ति की ओर **C** लिखकर प्रविष्ट किया जाएगा। यदि किसी ग्राहक से प्राप्त चेक अनादरित (Dishounored) हो जाता है तो बैंक सूचना प्राप्त होते ही चेक वापस कर व्यापार बैंक खाते के नाम में प्रविष्टि कर देता है। रोकड़ बही में चेक के अनादरण की सूचना मिलने पर भुगतान पक्ष में प्रविष्टि की जाती है तथा वह व्यक्ति जिससे वह चेक प्राप्त हुआ था उसका नाम विवरण स्तंभ में लिखा जाता है। यह प्रविष्टि चेक प्राप्ति के पूर्व की स्थिति को बहाल करती है। चेक अनादरण से तात्पर्य चेक की राशि भुगतान न होने पर चेक को लौटाना है, जो कि सामान्यतः भुगतान देने वाले ग्राहक के बैंक खाते में पर्याप्त धन न होने के कारण होता है।

© NCERT not to be republished

यदि बैंक व्यापार के खाते को ब्याज, कमीशन अथवा अपने द्वारा दी गई सेवाओं हेतु शुल्क के लिए नाम करता है। तो इसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में भुगतान पक्ष के बैंक स्तंभ में की जाएगी। और यदि बैंक व्यापार खाते को ब्याज अथवा लाभांश आदि के संकलन के लिए जमा करता है। तो इसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में प्राप्ति पक्ष के बैंक स्तंभ में की जाएगी। द्विस्तंभीय रोकड़ बही का प्रारूप चित्र संख्या 4.5 में दर्शाया गया है।

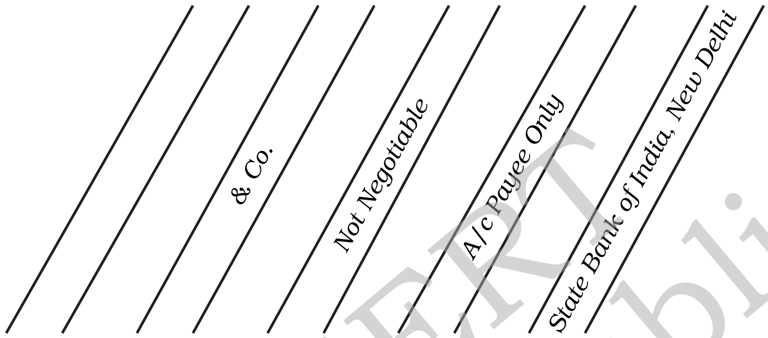

चित्र 4.4 : *रेखांकन के प्रकार*

रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*

चित्र 4.5 : *द्विस्तंभीय रोकड़ बही का प्रारूप*

आइये अब एक उदाहरण की सहायता से द्विस्तंभीय रोकड़ बही में लेन-देनों का अभिलेखन सीखें:

© NCERT not to be republished

निम्नलिखित सौदे टूल इंडिया से संबंधित :

तिथि	विवरण	राशि रु.
2005		
01 सितंबर	बैंक शेष	42,000
01 सितंबर	रोकड़ शेष	15,000
04 सितंबर	चेक द्वारा माल का क्रय	12,000
08 सितंबर	नकद धनराशि पर माल का विक्रय	6,000
13 सितंबर	चेक द्वारा मशीनरी खरीदी	5,500
16 सितंबर	माल बेचने पर चेक प्राप्त (उसी दिन बैंक में जमा किया)	4,500
17 सितंबर	नकद पर मृदुला से माल खरीदा	17,400
20 सितंबर	चेक पर स्टेशनरी का क्रय	1,100
24 सितंबर	रोहित को चेक से भुगतान किया	1,500
27 सितंबर	बैंक से नकद आहरण	10,000
30 सितंबर	चेक से किराये का भुगतान	2,500
30 सितंबर	वेतन का भुगतान	3,500

उपरोक्त लिखित व्यावसायिक देन-देनों को द्विस्तंभीय रोकड़ बही में इस प्रकार दर्शाया जाएगा:

रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	रोकड़ रु.	बैंक रु.	तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	रोकड़ रु.	बैंक रु.
2005 सितंबर					2005 सितंबर				
01	शेष आ/ले		15,000	42,000	04	क्रय			12,000
08	विक्रय		6,000		13	मशीन			5,500
16	विक्रय			4,500	17	क्रय		17,400	
27	बैंक	C	10,000		20	स्टेशनरी			1,100
					24	रोहित			1,500
					27	रोकड़	C		10,000
					30	किराया			2,500
					30	वेतन		3,500	
					30	शेष आ/ला		10,100	13,900
			31,000	46,500				31,000	46,500
अक्टूबर									
01	शेष आ/ले		10,100	13,900					

© NCERT not to be republished

द्वि-स्तंभीय रोकड़ बही की खतौनी

जब रोकड़ बही में ही बैंक स्तंभ बना लिया जाता है। तो खाता बही में बैंक खाता नहीं बनाया जाता। क्योंकि यह बैंक स्तंभ ही बैंक खाते के उद्देश्य की पूर्ति करता है। जब रोकड़ बही से खाता बही में खतौनी की जाती है तो वह प्रविष्टियां जिनके आगे '**C**' लिखा रहता है, छोड़ दी जाती हैं। यह प्रविष्टियां क्योंकि रोकड़ व बैंक खातों में नाम व जमा से संबंधित होने के कारण अपना द्विपक्षीय प्रभाव रोकड़ बही के दो स्तंभो पर ही डालती हैं। आइये अब उन लेन-देनों की खतौनी के विषय में जानें जिनका अभिलेखन द्विस्तंभीय रोकड़ बही से व्यक्तिगत खातों में होता है।

क्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005							
04 सितंबर	बैंक		12,000				
17 सितंबर	रोकड़		17,400				

विक्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005			
				08 सितंबर	रोकड़		6,000
				16 सितंबर	बैंक		4,500

मशीनरी खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005							
13 सितंबर	बैंक		5,500				

स्टेशनरी खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005							
20 सितंबर	बैंक		1,100				

© NCERT not to be republished

रोहित का खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 24 सितंबर	बैंक		1,500				

किराया खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 30 सितंबर	बैंक		2,500				

वेतन खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 30 सितंबर	रोकड़		3,500				

4.1.3 खुदरा रोकड़ बही

प्रत्येक व्यापारिक प्रतिष्ठान को बड़ी संख्या में कई छोटे-छोटे भुगतान करने पड़ते हैं जैसे यात्रा भत्ता, ढुलाई भाड़ा, डाक व्यय टेलिफोन व अन्य व्यय (जिनको सामूहिक रूप से विविध व्यय नामक खाते में लिखा जाता है) साधारणतया यह व्यय बार-बार करने पड़ते हैं यदि इन सभी व्ययों का संचालन प्रधान रोकड़िया करे एवं वह उनकी प्रविष्टि मुख्य रोकड़ बही में करे तो यह संपूर्ण प्रक्रिया बहुत बोझिल हो जाएगी। इस समस्या से बचने के लिए बड़े-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान सामान्यत: एक अन्य रोकड़िये (खुदरा रोकड़िया) की नियुक्ति करते हैं तथा सभी खुदरा खर्चों को एक अलग रोकड़ पुस्तक में लिखा जाता है। इस प्रकार खुदरा रोकड़िया द्वारा बनाई गई पुस्तक को खुदरा रोकड़ बही कहते हैं।

खुदरा रोकड़िया पेशगी अग्रिम प्राप्ति के आधार पर काम करता है। इस प्रणाली के अन्तर्गत एक निश्चित राशि, मान लिजिए 2,000 रु. खुदरा रोकड़िया को एक निश्चित अवधि के आरंभ में दी गई है। इस राशि को हम पेशगी/अग्रिम प्राप्ति कहते हैं। खुदरा रोकड़िया छोटी राशि के व्ययों का भुगतान इस राशि में से करता रहता है और जब इसका एक बड़ा भाग जैसे कि 1,780 रु. खर्च हो जाने पर वह मुख्य

© NCERT not to be republished

रोकड़िये से इन व्ययों का पुनर्भुगतान प्राप्त कर लेता है और इस प्रकार आने वाले समय के खर्चों के लिए फिर अग्रिम राशि प्राप्त कर लेता है। खुदरा रोकड़िए को यह भुगतान छोटे खर्चो की आवृत्ति के आधार पर साप्ताहिक, पाक्षिक अथवा मासिक हो सकता है। (कुछ मामलों में खुदरा रोकड़ प्रणाली मुख्य रोकड़ पुस्तक से ही संचालित होती है। ऐसे मामलों में खुदरा रोकड़ बही स्वतंत्र रूप से नहीं बनाई जाती।)

खुदरा रोकड़ बही में सामान्यत: भुगतान पक्ष (जमा) की ओर कई स्तंभ होते हैं। प्रत्येक व्यय की मद के लिए एक स्तंभ आबंटित किया जाता है। लेकिन यह स्तंभ केवल अधिकांशत: होने वाले साधारण व्ययों के लिए ही होते हैं। भुगतान पक्ष के अंतिम स्तंभ को ''विविध व्ययों'' का नाम दिया जाता है, जिसके बाद वाले स्तंभ को टिप्पणी नाम से जाना जाता है। विविध व्यय वाले स्तंभ में उन सभी व्ययों को प्रविष्ट किया जाता है जिनके लिए पृथक स्तंभ उपलब्ध नहीं हैं। टिप्पणी स्तंभ में व्यय की प्रकृति के विषय में लिखा जाता है। अवधि के अंत में विविध स्तंभों का योग निकाला जाता है। योग स्तंभ से कुल व्यय की उस राशि का पता चलता है जिसका पुनर्भुगतान होना है। प्राप्ति पक्ष की (नाम) ओर केवल एक ही स्तंभ होता है। तिथि, रसीद संख्या तथा विवरण संबंधी स्तंभ प्राप्ति एंव भुगतान दोनों तरफ होते हैं।

बॉक्स - 1

खुदरा रोकड़ बही के लाभ

1. *प्रधान रोकड़िये के समय व प्रयास की बचत:* प्रधान रोकड़िये को छोटे-छोटे व्ययों के वितरण की आवश्यकता नहीं रहती इसलिए वह अपना ध्यान बड़े रोकड़ लेन-देनों पर केन्द्रित कर सकता है जिससे प्रधान रोकड़िये के समय व मेहनत की भी बचत होती है तथा वह अपने कर्त्तव्यों का भली भांति निर्वाह कर सकता है।
2. *रोकड़ व्ययों पर कुशल नियंत्रण:* कार्य विभाजन के कारण रोकड़ पर नियंत्रण सरल हो जाता है। प्रधान रोकड़िया बड़े भुगतानों पर सीधे व छोटे भुगतानों पर खुदरा रोकड़िये के कार्य की समीक्षा कर पूरे रोकड़ भुगतानों पर अपना नियंत्रण रख सकता है। इस प्रकार रोकड़ में धोखाधड़ी व गबन की संभावनाएं भी कम हो सकती हैं
3. *अभिलेखन में सुविधा:* सभी छोटे-छोटे व्ययों का अभिलेखन मुख्य रोकड़ बही में करना उसे भारी व असुविधाजनक बना सकता है। साथ ही सारता के सिद्धांत के अनुसार भी मुख्य रोकड़ बही में अनावश्यक कम महत्त्व के विवरणों का लेखांकन आवश्यक नहीं है। इस प्रकार रोकड़ बही केवल महत्त्वपूर्ण व उपयोगी सूचनाओं को ही प्रदर्शित करेगी।

   छोटे व्ययों का इस प्रकार अभिलेखन उनकी खतौनी को भी सुविधाजनक बनाता है। क्योंकि संबंधित खाते में केवल उस व्यय स्तंभ के योग की ही प्रविष्टि की जाती है। इस प्रकार यह प्रत्येक छोटे-छोटे लेन-देन की खतौनी में लगने वाले समय की भी बचत करता है। सारांश में यह कहा जा सकता है खुदरा रोकड़ बही लागत कम नियंत्रित करने का तरीका है।

उदाहरण के लिए, मै. समायरा ट्रेडर्स के खुदरा रोकड़िये श्री मोहित को 1 मई, 2005 को प्रमुख रोकड़िये से 2,000 रुपये प्राप्त हुए। माह के लिए, खुदरा व्ययों का ब्यौरा इस प्रकार है:

© NCERT not to be republished

तिथि	*ब्यौरा*	*राशि* रु.
मई, 2005		
02	ऑटो का किराया	55
03	कुरियर सेवा	40
04	डाक टिकट	105
05	रबर/कटर/पेंसिल/पैड	225
06	स्पीड पोस्ट व्यय	98
08	टैक्सी किराया (105 रु. + 90 रु.)	195
08	जलपान	85
10	ऑटो का किराया	60
12	रजिस्टर्ड डाक व्यय	42
13	टेलीग्राम	34
14	ढुलाई	25
16	कंप्यूटर स्टेशनरी	165
19	बस का किराया	24
19	एस.टी.डी. व्यय	87
20	कार्यालय सफाई रोगाणुमुक्ति सहित (36 रु. + 24 रु.)	60
22	जलपान	45
23	फोटो कॉपी व्यय	47
28	कुरियर सेवा	40
29	माल उतराई व्यय	40
30	बस का किराया	15

खुदरा रोकड़ बही से खतौनी

खुदरा रोकड़ बही का शेष एक अवधि विशेष के बाद निकाला जाता है। कुल प्राप्तियों व कुल भुगतानों में अंतर ही खुदरा रोकड़िये के पास उपलब्ध शेष है। इस शेष को अगली अवधि पर हस्तांतरित कर दिया जाता है और खुदरा रोकड़िया को वास्तविक रूप से व्यय की गई राशि का भुगतान कर दिया जाता है। खाता बही में एक खुदरा रोकड़ खाता खोला जाता है। रोकड़ बही को स्वतंत्र रूप से संतुलित किया जाता है। प्रत्येक व्यय को उसके संबंधित खाते में उस स्तंभ के योग के रूप में नाम की ओर ''खुदरा रोकड़ खाता'' लिखकर खतौनी की जाती है तथा खुदरा रोकड़ खाते को व्ययों के कुल योग की राशि से ''खुदरा रोकड़ बही के व्यय'' लिखकर जमा की ओर खतौनी की जाती है। खुदरा रोकड़ खाते को कुल व्यय की राशि से जमा किया जाता है तथा विवरण स्तंभ में ''अवधि के विविध व्यय'' लिखा जाता है। इस प्रकार खुदरा रोकड़ खाते को संतुलित किया जाता है। खुदरा रोकड़ खाते में साधारणत: नाम की ओर शेष रहता है जो कि खुदरा रोकड़िये के पास उपलब्ध राशि प्रदर्शित करता है। खुदरा रोकड़ पुस्तक से खतौनी नीचे दिखाई गई है।

© NCERT not to be republished

माह की खुदरा रोकड़ बही इस प्रकार तैयार की जाएगी :

समायरा ट्रेडर्स की पुस्तकें (खुदरा रोकड़ पुस्तक)

प्राप्त राशि रु.	तिथि	विवरण	बीजक सं.	भुगतान की गई राशि	भुगतानों का विश्लेषण				
मई	2005			रु.	डाक व्यय	दूरभाष एवं तार	परिवहन	स्टेशनरी	विविध व्यय
2,000	01	रोकड़िया प्राप्त							
	02	ऑटो का किराया		55			55		
	03	कुरियर सेवा		40	40				
	04	डाक टिकटें		105	105				
	05	रबर/कटर/पेंसिलें		225				225	
	06	स्पीड पोस्ट व्यय		98	98				
	08	टैक्सी का किराया (105 रु. + 90 रु.)		195			195		
	08	जलपान		85					85
	10	आटो का किराया		60			60		
	12	रिजिस्टर्ड डाक व्यय		42	42				
	13	टेलिग्राम		34		34			
	14	ढुलाई		25					25
	16	कंप्यूटर स्टेशनरी		165				165	
	19	बस का किराया		24			24		
	19	STD शुल्क		87		87			
	20	कार्यालय सफाई रोगाणुमुक्ति सहित (36 रु. + 24 रु.)		60					60
	22	जलपान		45					45
	23	फोटो कॉपी व्यय		47					47
	28	कुरियर सेवा		40	40				
	29	माल उतराई व्यय		40					40
	30	बस का किराया		15			15		
				1,487	325	121	349	390	302
	31	शेष आ/ले		513					
2,000				2,000					
	जून								
513	01	शेष आ/ला							
1,487	01	रोकड़ प्राप्त							

© NCERT not to be republished

समायरा ट्रेडर्स की पुस्तकें

रोजनामचा

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2005					
01 मई	खुदरा रोकड़ खाता	नाम		2,000	
	रोकड़ खाते से				2,000
	(खुदरा रोकड़िये को नकद प्राप्ति)				
31 मई	डाक व्यय खाता	नाम		325	
	दूरभाष एवं तार खाता	नाम		121	
	परिवहन खाता	नाम		349	
	स्टेशनरी खाता	नाम		390	
	विवध व्यय खाता	नाम		302	
	खुदरा रोकड़ खाते से				
	(खुदरा व्यय खुदरा रोकड़ पुस्तक में हस्तांतरित)				1,487
	खुदरा रोकड़ खाता	नाम		1,487	
	रोकड़ खाता से				1,487
	(खुदरा रोकड़िये को रोकड़ भुगतान)				

खुदरा रोकड़ खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
01 मई	रोकड़		2,000	31 मई	खुदरा रोकड़ बही के अनुसार खुदरा रोकड़		1,487
				31 मई	शेष आ/ले		513
			2,000				2,000
01 जून	शेष आ/ला		513				
01 जून	रोकड़		1,487				

© NCERT not to be republished

समायरा ट्रेडर्स की पुस्तकें

डाक व्यय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 31 मई	खुदरा रोकड़		325				

दूरभाष एवं तार खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 31 मई	खुदरा रोकड़		121				

परिवहन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 31 मई	खुदरा रोकड़		349				

स्टेशनरी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 31 मई	खुदरा रोकड़		390				

विवध व्यय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 31 मई	खुदरा रोकड़		302				

© NCERT not to be republished

4.1.4 रोकड़ बही का संतुलन

रोकड़ बही के बाँईं ओर (नाम पक्ष में) रोकड़ प्राप्तियों व दाँईं ओर (जमा पक्ष में) रोकड़ भुगतान को तिथिनुसार प्रविष्ट किया जाता है। जब व्यापारी रोकड़ बही बनाते हैं तो खाता बही में अलग से रोकड़ खाता नहीं खोला जाता। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि रोकड़ बही में सदैव नाम शेष होगा क्योंकि रोकड़ भुगतानों कि राशि कभी भी रोकड़ प्राप्तियों की प्रारंभिक हस्तस्थ रोकड़ से अधिक नहीं हो सकती। इन रोकड़ प्राप्ति प्रविष्टियों का स्रोत प्रलेख रोकड़िये द्वारा जारी की गई रसीद की अनुलिपी होती है। रोकड़ भुगतानों के लिए बीजक, रसीद प्रपत्र आदि प्रलेखों को स्रोत प्रलेख माना जाता है, क्योंकि इनके आधार पर भुगतान किया गया है। रोकड़ पुस्तक में भुगतान हो जाने के बाद इन सभी प्रलेखों को जो कि 'प्रमाणक' नाम से लोकप्रिय हैं एक क्रम संख्या देकर अलग से फाइल में भविष्य में सत्यापन हेतु संभालकर रखा जाता है।

उदाहरण 1

मैसर्स कुन्तिया ट्रेडर्स के निम्ननिलिखित सौदों को एक स्तंभीय रोकड़ बही में दर्शाएं:

तिथि	*ब्यौरा*	*राशि* रु.
2005		
01 सितंबर	हस्तस्थ रोकड़	40,000
02 सितंबर	बैंक में धनराशि	16,000
04 सितंबर	पुनीत से पूर्ण भुगतान के रूप में 12,000 रु. प्राप्त हुए	11,700
05 सितंबर	रुकमणी की पूर्ण भुगतान के रूप में 7,000 रु. का भुगतान किया	6,850
06 सितंबर	सुधीर को नकद माल बेचा	14,800
06 सितंबर	स्वामी की पत्नी की बीमा पॉलिसी पर त्रैमासिक बीमा किस्त का भुगतान	2,740
07 सितंबर	कार्यालय फर्नीचर का क्रय	8,000
07 सितंबर	स्टेशनरी खरीदी	1,700
07 सितंबर	ढुलाई भाड़ा	120
10 सितंबर	कमल का भुगतान करने पर 200 रु. का बट्टा प्राप्त	6,800
11 सितंबर	गुरमीत से नकद प्राप्त, 500 रु. का बट्टा	14,100
12 सितंबर	व्यक्तिगत उपयोग के लिए आहरित राशि	5,000
14 सितंबर	बिजली बिल का भुगतान	1,160
17 सितंबर	नकद धनराशि पर माल का विक्रय	23,000
21 सितंबर	कमल से माल का नकद क्रय	17,000
24 सितंबर	टेलीफोन व्यय का भुगतान	2,300
26 सितंबर	डाक व्यय का भुगतान	520
28 सितंबर	मासिक किराए का भुगतान	4,200
29 सितंबर	मासिक मजदूरी और वेतन का भुगतान	8,250
29 सितंबर	नकद पर माल का क्रय	11,000
30 सितंबर	नकद पर माल का विक्रय	15,600

© NCERT not to be republished

हल

कुन्तिका ट्रेडर्स की पुस्तक
रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
01 सितंबर	शेष आ/ला		40,000	02 सितंबर	बैंक		16,000
04 सितंबर	पुनीत		11,700	05 सितंबर	रुकमणी		6,850
06 सितंबर	विक्रय		14,800	06 सितंबर	आहरण		2,740
11 सितंबर	गुरमीत		14,500	07 सितंबर	कार्यालय फर्नीचर		8,000
17 सितंबर	विक्रय		23,000	07 सितंबर	स्टेशनरी		1,700
30 सितंबर	विक्रय		15,600	07 सितंबर	ढुलाई		120
				10 सितंबर	कमल		6,800
				12 सितंबर	आहरण		5,000
				14 सितंबर	बिजली व्यय		1,160
				21 सितंबर	क्रय		17,000
				24 सितंबर	टेलीफोन व्यय		2,300
				28 सितंबर	डाक व्यय		520
				29 सितंबर	किराया		4,200
				29 सितंबर	मजदूरी एवं वेतन		8,250
				30 सितंबर	क्रय		11,000
				30 सितंबर	शेष आ/ला		27,960
			1,19,600				1,19,600
01 अक्टूबर	शेष आ/ले		27,960				

उदाहरण 2

निम्नलिखित लेन-देनों को द्विस्तंभीय रोकड़ बही में दर्शाएं तथा संतुलित करें।

तिथि	ब्यौरा	राशि रु.
2005		
01 अगस्त	रोकड़ शेष	15,000
	बैंकस्त शेष	10,000
03 अगस्त	चेक द्वारा बीमा किस्त का भुगतान	4,200
08 अगस्त	नकद विक्रय	22,000
	नकद बट्टा	750

© NCERT not to be republished

09 अगस्त	नकद क्रय का भुगतान	21,000
	नकद बट्टा	700
09 अगस्त	बैंक में धनराशि जमा की गई	15,000
10 अगस्त	चेक द्वारा टेलीफोन व्यय का भुगतान	2,300
14 अगस्त	व्यक्तिगत उपयोग के लिए बैंक से धनराशि का आहरण	6,000
16 अगस्त	कार्यालय उपयोग के लिए बैंक से आहरित धनराशि	14,500
20 अगस्त	जॉन से चेक द्वारा पूर्ण भुगतान प्राप्त हुआ जिसे उसी दिन बैंक में जमा कर दिया गया	10,700
23 अगस्त	माइकल से नकद धनराशि प्राप्त हुई	6,850
	बट्टा दिया	150
24 अगस्त	नकद पर स्टेशनरी खरीदी	1,800
25 अगस्त	ढुलाई का नकद भुगतान	350
25 अगस्त	कुमार से चेक प्राप्त हुआ	4,500
28 अगस्त	कुमार से चेक प्राप्त किया तथा उसी दिन बैंक में जमा कर दिया	4,500
31 अगस्त	28 अगस्त को जमा चेक अनादृत हुआ और बैंक द्वारा लौटा दिया गया	
31 अगस्त	चेक द्वारा किराए का भुगतान	4,000
31 अगस्त	चौकीदार को नकद मजदूरी का भुगतान	3,000
31 अगस्त	डाक व्यय का नकद भुगतान	220

हल

रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*
2005 अगस्त					2005 अगस्त				
01	शेष आ/ले		15,000	10,000	03	बीमा			4,200
08	विक्रय		22,000		09	क्रय		21,000	
09	रोकड़	C		15,000	09	बैंक	C	15,000	
16	बैंक	C	14,500		10	टेलीफोन व्यय			2,300
20	जॉन			10,700	14	आहरण			6,000
23	माइकल		6,850		16	रोकड़	C		14,500
25	कुमार		4,500		24	स्टेशनरी		1,800	
28	रोकड़	C		4,500	25	ढुलाई		350	
31	शेष आ/ला			6,000	28	बैंक	C	4,500	
					31	कुमार			4,500

© NCERT not to be republished

					31	किराया			4,000
					31	मजदूरी		3,000	
					31	डाक		220	
					31	शेष आ/ला		16,980	4,700
			62,850	40,200				62,850	40,200
सितंबर 01	शेष आ/ले		16,980	4,700					

उदाहरण 3

मै. लेजर जोन के जनवरी 2005 के माह के निम्नलिखित लेन-देनों को बैंक स्तंभ रोकड़ बही में लिखें और उनकी खतौनी संबंधित खातों में करें:

तिथि	*ब्यौरा*	*राशि* रु.
01 जनवरी	हस्तस्थ रोकड़	4,000
	बैंक अधिविकर्ष	3,200
04 जनवरी	मजदूरी का भुगतान	400
05 जनवरी	नकद विक्रय	7,000
07 जनवरी	चेक द्वारा माल का क्रय	2,000
09 जनवरी	नकद पर फर्नीचर खरीदा	2,200
11 जनवरी	रोहित को नकद भुगतान	2,000
13 जनवरी	नकद विक्रय	4,500
14 जनवरी	बैंक में धनराशि जमा की	7,000
16 जनवरी	बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज	200
20 जनवरी	चेक से टेलीफोन के बिल का भुगतान	600
25 जनवरी	बेचे गए माल का भुगतान चेक से प्राप्त (उसी दिन जमा किया)	3,000
27 जनवरी	किराये का भुगतान	800
29 जनवरी	व्यक्तिगत उपयोग के लिए आहरित धनराशि	500
30 जनवरी	वेतन का भुगतान	1,000
31 जनवरी	बैंक द्वारा एकत्रित ब्याज	1,700

© NCERT not to be republished

हल

लेजर जोन की पुस्तकें
रोकड़ बही

नाम जमा

तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	रोकड़ रु.	बैंक रु.	तिथि	विवरण	ब.पृ.सं.	रोकड़ रु.	बैंक रु.
2005 जनवरी					2005 जनवरी				
01	शेष आ/ले		4,000		01	शेष आ/ले			3,200
05	विक्रय		7,000		04	मजदूरी		400	
13	विक्रय		4,500		07	क्रय			2,000
14	रोकड	**C**		7,000	09	फर्नीचर		2,200	
25	विक्रय			3,000	11	रोहित		2,000	
31	ब्याज			1,700	14	बैंक	**C**	7,000	
					16	अधिविकर्ष ब्याज			200
					20	टेलीफोन			600
					27	किराया		800	
					29	आहरण		500	
					30	वेतन		1,000	
					01	शेष आ/ला		1,600	5,700
			15,500	11,700				15,500	11,700
अक्टूबर									
01	शेष आ/ले		1,600	5,700					

मजदूरी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 04 जनवरी	रोकड़		400				

विक्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005			
				05 जनवरी	रोकड़		7,000
				13 जनवरी	रोकड़		4,500
				25 जनवरी	बैंक		3,000

© NCERT not to be republished

क्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 07 जनवरी	बैंक		2,000				

फर्नीचर खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 09 जनवरी	रोकड़		2,200				

रोहित का खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 11 जनवरी	रोकड़		2,000				

अधिविकर्ष पर ब्याज (भुगतान) खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 16 जनवरी	बैंक		200				

टेलीफोन व्यय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 20 जनवरी	बैंक		600				

© NCERT not to be republished

किराया खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 27 जनवरी	रोकड़		800				

आहरण खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 29 जनवरी	रोकड़		500				

वेतन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 30 जनवरी	रोकड़		1,000				

ब्याज (प्राप्ति) खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005 31 जनवरी	बैंक		1,700

उदाहरण 4

मै. एडवांस टेक्नालॉजी प्रा. लि. के दिसंबर, 2005 माह के सौदों को द्विस्तंभीय रोकड़ बही में लिखें:

तिथि	ब्यौरा	राशि रु.
2005 01 दिसंबर	हस्तस्थ रोकड़	3,065
	बैंकस्थ रोकड़	6,780
02 दिसंबर	खुदरा रोकड़िये को रोकड़ दिया	1,000

© NCERT not to be republished

03 दिसंबर	प्रिया से चेक प्राप्त	3,000
04 दिसंबर	नकद विक्रय	2,000
05 दिसंबर	बैंक में धनराशि जमा की	1,200
06 दिसंबर	प्रिया के चेक को बैंक में जमा किया	3,000
08 दिसंबर	चेक दे कर फर्नीचर खरीदा	6,500
10 दिसंबर	व्यापारिक व्ययों का भुगतान	400
12 दिसंबर	नकद विक्रय	9,000
13 दिसंबर	बैंक शुल्क	300
15 दिसंबर	बैंक ने लाभांश एकत्रित किया	1,200
16 दिसंबर	चेक से बिजली बिल का भुगतान किया	600
17 दिसंबर	नकद क्रय	2,000
19 दिसंबर	विज्ञापन के लिए भुगतान किया	1,000
21 दिसंबर	माल की बिक्री पर चेक प्राप्त (उसी दिन बैंक में जमा किया)	6,000
22 दिसंबर	न्यायिक शुल्क का भुगतान	500
23 दिसंबर	व्यक्तिगत प्रयोग के लिए बैंक से आहरित राशि	2,000
24 दिसंबर	स्थापना व्ययों का भुगतान	340
25 दिसंबर	बिल पुस्तिका की छपाई के लिए भुगतान	850
26 दिसंबर	चेक द्वारा बीमा किस्त का भुगतान	2,150
27 दिसंबर	नकद विक्रय	7,200
28 दिसंबर	चेक द्वारा वेतन का भुगतान	4,000
29 दिसंबर	किराये का भुगतान	3,000
30 दिसंबर	चेक से कमीशन (चेक उसी दिन बैंक में जमा किया)	2,500
31 दिसंबर	चेक से दान दिया	800

हल

एडवांस टेक्नालॉजी की पुस्तकें
रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*
2005					2005				
दिसंबर				दिसंबर					
01	शेष आ/ले		3,065	6,780	02	खुदरा रोकड़		1,000	
03	प्रिया		3,000		05	बैंक	**C**	1,200	
04	विक्रय		2,000		06	बैंक	**C**	3,000	
05	रोकड़	**C**		1,200	08	फर्नीचर			6,500

© NCERT not to be republished

06	रोकड़	C		3,000	10	व्यापारिक व्यय		400	
12	विक्रय		9,000		13	बैंक शुल्क			300
15	लाभांश			1,200	16	बिजली व्यय			600
21	विक्रय			6,000	17	क्रय		2,000	
27	विक्रय		7,200		19	विज्ञापन		1,000	
30	कमीशन			2,500	22	न्यायिक व्यय		500	
					23	आहरण			2,000
					24	स्थापना व्यय		340	
					25	छपाई		850	
					26	बीमें की किश्त			2,150
					28	वेतन			4,000
					29	किराया		3,000	
					31	दान			800
					31	शेष आ/ला		10,975	4,330
			24,265	20,680				24,265	20,680
2006 जनवरी									
01	शेष आ/ले		10,975	4,330					

(ii) खतौनी

खुदरा रोकड़ खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 02 दिसंबर	रोकड़		1,000				

प्रिया का खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005 03 दिसंबर	रोकड़		3,000

© NCERT not to be republished

विक्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005			
				04 दिसंबर	रोकड़		2,000
				12 दिसंबर	रोकड़		9,000
				21 दिसंबर	बैंक		6,000
				27 दिसंबर	रोकड़		7,200

फर्नीचर खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005							
08 दिसंबर	बैंक		6,500				

व्यापारिक व्यय खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005							
10 दिसंबर	रोकड़		400				

बैंक शुल्क खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005							
13 दिसंबर	बैंक		300				

लाभांश खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005			
				15 दिसंबर	बैंक		1,200

© NCERT not to be republished

बिजली व्यय खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 16 दिसंबर	बैंक		600				

क्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 17 दिसंबर	रोकड़		2,000				

विज्ञापन खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 19 दिसंबर	रोकड़		1,000				

न्यायिक शुल्क खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 22 दिसंबर	रोकड़		500				

आहरण खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 23 दिसंबर	बैंक		2,000				

© NCERT not to be republished

स्थापना व्यय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 24 दिसंबर	रोकड़		340				

छपाई खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 25 दिसंबर	रोकड़		850				

बीमा किस्त खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 26 दिसंबर	बैंक		2,150				

वेतन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 28 दिसंबर	बैंक		4,000				

किराया खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 29 दिसंबर	रोकड़		3,000				

© NCERT not to be republished

कमीशन प्राप्ति खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005 30 दिसंबर	बैंक		2,500

दान खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 31 दिसंबर	बैंक		800				

4.2 क्रय (रोजनामचा) पुस्तक

माल से संबंधित सभी उधार क्रय, क्रय रोजनामचे में लिखे जाते हैं। जबकि नकद क्रय किए जाने वाले सभी लेन-देनों को रोकड़ पुस्तक में अभिलिखित किया जाता है। अन्य उधार क्रय जैसे कि कार्यालय संबंधित सामान, फर्नीचर, भवन आदि यदि उधार खरीदे जाते हैं तो उनका अभिलेखन साधारण रोजनामचे में ही किया जाता है और यदि उनकी खरीद नकद होती है तो उन्हें रोकड़ बही में ही लिखा जाता है। इन लेन-देनों में प्राप्त माल आपूर्तिकर्त्ताओं द्वारा दिए गए बीजक व रसीदें इत्यादि स्रोत प्रलेखों का कार्य करते हैं। बीजक की सहायता से केवल शुद्ध राशि को ही लिखा जाता है। व्यापारिक छूट एवं अन्य विवरणों को इस पुस्तक में नहीं लिखा जाता। क्रय पुस्तक के प्रारूप को चित्र 4.6 में प्रदर्शित किया गया है।

क्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	बीजक सं.	आपूर्तिकर्त्ता का नाम (जमा किये जाने वाला खाता)	ब.पृ.सं.	राशि रु.

चित्र 4.6 : *क्रय (रोजनामचा) पुस्तक का प्रारूप*

खरीद पुस्तक के योग की खतौनी मास के अंत में खाता बही के खरीद खाते के नाम पक्ष में की जाती है। माल आपूर्तिकर्त्ताओं के खातों की खतौनी दैनिक आधार पर की जा सकती है। मै. कनिका ट्रेडर्स के निम्न विवरण पर विचार कर, आइये यह देखें कि खरीद पुस्तक में प्रविष्टियाँ किस प्रकार की जाती हैं।

© NCERT not to be republished

दिनांक 2005	*विवरण*
04 अगस्त	मैं. नीमा इलेक्ट्रोनिक्स से क्रय (बीजक सं. 3,250) 20 छोटे-आकार के टी.वी. @ 2,000 प्रत्येक 15 टेप रिकार्डर @ 12,500 प्रत्येक सभी वस्तुओं पर प्राप्त व्यापारिक छूट @ 20%
10 अगस्त	मैं. पवन इलेक्ट्रॉनिक्स से खरीदा (बीजक सं. 8,260) 10 वीडियो केसेट @ 150 प्रति केसेट 20 टेप रिकार्डर @ 1,650 प्रत्येक खरीद पर व्यापारिक छूट @ 10%
18 अगस्त	मै. नर्दरन इलेक्ट्रॉनिक्स से खरीदा (बीजक सं. 4256) 15 नार्दरन स्टीरियो @ 4,000 प्रति पीस 20 नार्दरन रंगीन टी.वी. @ 1,450 प्रति पीस व्यापारिक छूट @ 12.5%
26 अगस्त	मैं. नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स से खरीदा (बीजक सं. 3,294) 10 छोटे आकार के टी. वी. @ 1,000 प्रत्येक 5 रंगीन टी. वी. @ 12,500 प्रत्येक व्यापारिक छूट @ 20%
29 अगस्त	मै. पवन इलेक्ट्रॉनिक्स से खरीदा (बीजक सं. 8,281) 20 वीडियो केसेट @ 150 प्रति इकाई 25 टेप रिकार्डर @ 1,600 प्रति इकाई खरीद पर प्राप्त व्यापारिक छूट @ 10%

कनिका ट्रेडर्स

क्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*आपूर्तिकर्त्ता का नाम (जमा किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005				
04 अगस्त	3250	नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स		1,82,000
10 अगस्त	8260	पवन इलेक्ट्रॉनिक्स		31,050
18 अगस्त	4256	नार्दन इलेक्ट्रॉनिक्स		3,06,250
26 अगस्त	3294	नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स		54,000
29 अगस्त	8281	पवन इलेक्ट्रॉनिक्स		38,700
31 अगस्त				6,12,000

क्रय पुस्तक से संबद्ध राशि की खतौनी संबंधित खातों के जमा पक्ष में प्रतिदिन की जाती है। साधारणत: एक मास की अवधि के अंत में क्रय पुस्तक के कुल योग की खतौनी क्रय खाते के नाम पक्ष में की

© NCERT not to be republished

जाती है। हाँ यदि इन लेन-देनों की संख्या बड़ी है तो यह खतौनी अन्य सुविधाजनक अन्तराल जैसे दैनिक, साप्ताहिक अथवा पाक्षिक आधार पर भी हो सकती है। क्रय पुस्तक से खाता बही में खतौनी को आगे उदाहरण द्वारा समझाया गया है।

कनिका इलेक्ट्रॉनिक्स की पुस्तक

नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005 04 अगस्त 26 अगस्त	 क्रय क्रय		 1,82,000 54,000

पवन इलेक्ट्रॉनिक्स

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005 10 अगस्त 29 अगस्त	 क्रय क्रय		 31,050 38,700

नार्दन इलेक्ट्रॉनिक्स

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005 18 अगस्त	 क्रय		 3,06,250

क्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 31 अगस्त	 क्रय रोजनामचे के अनुसार विविध क्रय		 6,12,000				

© NCERT not to be republished

4.3 क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

इस पुस्तक में उधार खरीदे गए माल की वापसी से संबंधित लेन–देनों का अभिलेखन किया जाता है। कई बार विभन्न कारणों से माल के आपूर्तिकारों को खरीदा गया माल वापिस किया जाता है जैसे माल में आवश्यक गुणवत्ता की कमी अथवा दोषपूर्ण माल आदि। प्रत्येक क्रय वापसी एक डेबिट नोट (दो प्रतियों में) बनाया जाता है। जिसकी प्रथम प्रति आपूर्ति दाता को भेज दी जाती है, जिसमें वह अपनी पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टि भी कर सके। आपूर्ति दाता भी नोट बनाता है जिसे क्रेडिट नोट कहा जाता है। रोजनामचे में क्रय वापसी के अभिलेखन के लिए डेबिट नोट को स्रोत प्रलेख के रूप में प्रयोग किया जाता है। डेबिट नोट में उस विक्रेता का नाम (जिसे माल वापस किया गया है), वापस किए गए माल का विस्तृत विवरण, माल वापसी के कारण आदि का उल्लेख होता है। प्रत्येक डेबिट नोट को तिथिवार एवं क्रम संख्या वार लगाया जाता है। क्रय वापसी रोजनामचे का प्रारूप चित्र 4.7 (अ) में प्रदर्शित किया गया है।

क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*आपूर्तिकर्त्ता का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.सं.*	*राशि रु.*

चित्र 4.7 (अ) : *क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक का प्रारूप*

क्रय (रोजनामचे) पुस्तक पर दिए उदाहरण में आप यह ध्यान देंगे कि नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स से 20 छोटे आकार के टी. वी. व 15 टेपरिकार्डर 1,82,000 रु. में खरीदे गए। जबकि सुपुर्दगी पर 2 छोटे टी. वी. व एक टेप रिकार्डर दोषपूर्ण पाए गए। जिन्हें बाद में डेबिट नोट सं. 03/2005 के साथ वापस कर दिया गया। इस स्थिति में क्रय वापसी पुस्तक में निम्न प्रकार से प्रदर्शित किया जाएगा।

क्रय वापसी के सौदे की खाता बही में खतौनी के लिए माल आपूर्तिकार के व्यक्तिगत खाते को माल वापसी के मूल्य की राशि से नाम किया जाएगा व क्रय वापसी खाते को आवधिक योग से जमा किया जाएगा।

बॉक्स - 2

डेबिट और क्रेडिट नोट

उधार बिक्री के अतिरिक्त किन्हीं अन्य कारणों से किसी पार्टी के खाते को नाम करने हेतु डेबिट नोट नामक दस्तावेज जारी किया जाता है। यदि खरीद माल की पूर्ति अदेशानुसार उपयुक्त नही पाई जाती है तो ऐसी दशा में दोषपूर्ण माल आपूर्तिकर्त्ता को वापिस कर दिया जाता है और आपूर्तिकर्त्ता को नाम करते हुए एक नोट तैयार किया जाता है; अथवा किसी ग्राहक से अतिरिक्त देय राशि प्राप्त करने की दशा में ग्राहक के खाते को नाम करते हुए ऐसा नोट बनाया जाता है। इन दोनो ही अवस्थाओं में यह डेबिट नोट कहलाता है (देखें चित्र 4.7 (ब))।

जब किसी पार्टी के खाते को उधार क्रय के अतिरिक्त किसी अन्य कारणों के परिणामस्वरूप जमा किये जाने की स्थिति में क्रेडिट नोट तैयार किया जाता है। सामान्यत: इस प्रकार के नोट को लाल स्याही में लिखने का प्रचलन है। विक्रय वापसी की दशा में ग्राहक को क्रेडिट नोट भेजा जाता है। (देखें चित्र 4.7 (स))।

© NCERT not to be republished

नोट जारी करने वाली फर्म का नाम

फर्म का पता

सं. *जारी करने की तिथि......*

डेबिट नोट

आपूर्तिकर्त्ता का नाम

सुपुर्दगी के अनुसार माल वापसी राशि (रु.)

चालान सं.

(वापिस किये गए माल का ब्यौरा)

(रुपये .... केवल)

तिथि सहित मैनेजर का हस्ताक्षर

चित्र 4.7 (ब): *डेबिट नोट का प्रारूप*

नोट जारी करने वाली फर्म का नाम

फर्म का पता

सं. *जारी करने की तिथि......*

क्रेडिट नोट

ग्राहक का नाम

ग्राहक से माल की वापसी राशि (रु.)

चालान सं.

(वापिस किये गए माल का ब्यौरा)

(रुपये .... केवल)

तिथि सहित मैनेजर का हस्ताक्षर

चित्र 4.7 (स): *क्रेडिट नोट का प्रारूप*

क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*डेबिट नोट सं.*	*आपूर्तिकर्त्ता का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
	03/2005	नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स		13,200
				13,200

© NCERT not to be republished

क्रय वापसी खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
					क्रय वापसी पुस्तक के अनुसार विविध क्रय वापसी		13,200

नीमा इलेक्ट्रॉनिक्स खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	क्रय वापसी		13,200				

4.4 विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक

पुस्तक व्यापारिक माल के सभी उधार विक्रय सौदों को विक्रय रोजनामचे में अभिलिखित किया जाता है। नकद विक्रय की रोकड़ बही में अभिलिखित किया जाता है। विक्रय पुस्तक का प्रारूप क्रय पुस्तक के प्रारूप जैसा ही होता है, जिसका वर्णन पहले किया जा चुका है। विक्रय पुस्तक में प्रविष्टियां करने के लिए विक्रय बीजक, फर्म द्वारा जारी ग्राहकों को जारी विपत्रों आदि को स्रोत प्रलेखों के रूप में प्रयोग किया जाता है। विक्रय-पुस्तक में विक्रय की तिथि, बीजक संख्या, ग्राहक का नाम एवं बीजक की राशि लिखे जाते हैं। विक्रय सौदे के अन्य विवरण भुगतान की शर्तें आदि का विवरण बीजक में ही उपलब्ध रहता है। वास्तव में प्रत्येक विक्रय के लिए बिक्री बीजक की दो या दो से अधिक प्रतियां बनाई जाती हैं। खाता लिखने वाला लेखाकार बिक्री बीजक की एक प्रति से ही विक्रय रोजनामचे में प्रविष्टियाँ करता है। बिक्री रोजनामचे में एक अतिरिक्त स्तंभ ग्राहकों से वसूल बिक्री कर अभिलेखन करने के लिए जोड़ा जा सकता है। क्योंकि इस कर का भुगतान एक निश्चित समयावधि के अंत में अथवा मास के अंत में बिक्री पुस्तक का योग बिक्री खाते के जमा पक्ष में प्रविष्ट कर दिया जाता है। ग्राहकों के व्यक्तिगत खातों में इनकी खतौनी दैनिक आधार पर भी की जा सकती है।

विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*ग्राहक का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*

चित्र 4.8 : *विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक का प्रारूप*

© NCERT not to be republished

उदाहरणार्थ मैं. कोयना सप्लाईज ने उधार माल बेचा:

(i) 2,100 रु. प्रति के 2 जल शोधक व 130 रु. प्रति की पाँच बाल्टियां मै. रमन ट्रेडर्स को (बीजक सं. 178 दि. 06 अप्रैल, 2005)

(ii) मै. नूतन एन्टरप्राइजिज को (बीजक सं. 180 दि. 09 अप्रैल, 2005) सड़क किनारे रखने के डिब्बे @ 4,200 प्रति डिब्बा

(iii) मै. रमन ट्रेडर्स को 100 बड़ी बाल्टियां (बीजक सं. 209 दि. 28 अप्रैल, 2005) @ 850 प्रति बाल्टी

उपरोक्त सौदों की प्रविष्टि बिक्री रोजनामचे में निम्न प्रकार से होगी:

कोयना सप्लायर्स की पुस्तकें
विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*ग्राहक का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
2005				
06 अप्रैल	178	रमन ट्रेडर्स		4,850
09 अप्रैल	180	नूतन एंटरप्राइज़िज़		21,000
28 अप्रैल	209	रमन ट्रेडर्स		85,000
30 अप्रैल				1,10,850

विक्रय रोजनामचे से प्रविष्टि खाता बही में सीधे ग्राहक के खाते के नाम में की जाती है। क्रय रोजनामचे की ही तरह विक्रय रोजनामचे में खातौनी दैनिक आधार पर की जा सकती है। विक्रय रोजनामचे का योग एक अवधि (साधारणत: एक मास) के अंत में किया जाता है। जिसकी खतौनी खाता बही में विक्रय खाते के जमा पक्ष में की जाती है। विक्रय (रोजनामचे) पुस्तक जिसका उदाहरण ऊपर दिया गया है, की खाता बही में खतौनी निम्न प्रकार से की जाएगी:

रमन ट्रेडर्स का खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005							
06 अप्रैल	विक्रय		4,850				
28 अप्रैल	विक्रय		85,000				

© NCERT not to be republished

नूतन एन्टरप्राइज़िज़ का खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 01 अप्रैल	विक्रय		21,000				

विक्रय खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005 30 अप्रैल	विक्रय पुस्तक के अनुसार विवध विक्रय		1,10,850

4.5 विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

इस रोजनामचे का प्रयोग ग्राहकों द्वारा माल की वापसी को अभिलिखित करने के लिए किया जाता है। जब ग्राहकों द्वारा माल की वापसी होती है तो क्रेडिट नोट तैयार किया जाता है, जिस प्रकार क्रय वापसी की दशा में डेबिट नोट बनाया जाता है। डेबिट नोट और क्रेडिट नोट में अन्तर यही है कि विगत बिक्रीकर्त्ता बनाता है और परवर्ती ग्राहक तैयार करता है। डेबिट नोट की तरह क्रेडिट नोट की भी मूल और प्रतिलिपि तैयार की जाती है। जिसमें ग्राहक संबंधी विवरण, जैसे कि ग्राहक का नाम, वापस हुए माल का ब्यौरा तथा मूल्य राशि लिखी जाती है। प्रत्येक क्रेडिट नोट क्रमानुसार एवं तिथिवार तैयार होता है। विक्रय वापसी पुस्तक में प्रविष्टियों के अभिलेखन हेतु मूल विपत्र समान्यतया क्रेडिट नोट होता है। विक्रय वापसी का प्रारूप चित्र 4.9 में दर्शाया गया है। यदि हम उपरोक्त उदाहरण को देखें तो आप पाएंगे कि मै. कोयना सप्लायर की विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक के अनुसार रमन ट्रेडर्स को जल शोधक 2,100 (2,100 2 =4,200 रु.) रु. प्रति के अनुसार बेचे गए। जिन में एक जल शोधक विनिर्माण दोष के कारण (क्रेडिट नोट सं. 10/2005) वापस कर दिया गया। इस स्थिति में बिक्री वापसी (रोजनामचा) पुस्तक निम्न प्रकार से बनाई जाएगी:

विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*क्रेडिट सं.*	*ग्राहक का नाम (जमा किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*

चित्र 4.9 : *विक्रय वापसी (रोजनामचा) का प्रारूप*

© NCERT not to be republished

खरीद रोजनामचे की ही तरह विक्रय वापसी रोजनामचे में भी माल वापसी की स्थिति में ग्राहक के खाते को वापस किए गए माल के मूल्य से जमा किया जाएगा तथा विक्रय वापसी खाते की खतौनी अवधि विशेष के अंत में किए गए योग से नाम में की जाएगी।

विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*क्रेडिट सं.*	*ग्राहक का नाम (जमा किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
	10/2005	रमन ट्रेडर्स		2,100
				2,100

रमन ट्रेडर्स कर खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
					विक्रय वापसी		2,100

विक्रय वापसी खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
	विक्रय पुस्तक के अनुसार विवध विक्रय		2,100				

उदाहरण 5

निम्नलिखित लेन-देनों की प्रविष्टि मै. हाई-फाई फैशन्स के क्रय एवं क्रय-वापसी पुस्तकों में करें तथा सितंबर 2005 के लिए खाता तैयार करें।

तिथि	*ब्यौरा*
1 सितंबर	रतना ट्रेडर्स से निम्नलिखित माल खरीदा (बीजक सं. 714) 25 कमीजें @ 300 रु. प्रति कमीज 20 पैंट @ 700 रु. प्रति पैंट व्यापारिक बट्टा 10 %
8 सितंबर	मै. बाम्बे फैशन हाऊस से निम्नलिखित उधार माल खरीदा।

© NCERT not to be republished

	(बीजक सं. 327):
	10 फैंसी ट्राऊजर @ 500 रु. प्रति ट्राऊजर
	20 फैंसी हैट @ 100 रु. प्रति हैट
	व्यापारिक बट्टा 5 %
10 सितंबर	मै. रतना ट्रेडर्स का माल वापसी (डेबिट नं. 102)
	3 कमीजें @ 300 रु. प्रति कमीज
	1 पैंट @ 700 रु. प्रति पैंट
	व्यापारिक बट्टा 10 %
15 सितंबर	मै. जोल्टा फैशन से निम्नलिखित माल उधार खरीदा,
	(बीजक सं. 6781):
	10 जैकटें @ 1,000 रु. प्रति जैकट
	5 सादी कमीजें @ 200 रु. प्रति कमीज
	व्यापारिक बट्टा 15 %
20 सितंबर	मै. ब्राइड पैलेस से निम्नलिखित माल उधार खरीदा,
	(बीजक सं. 1076):
	10 फैंसी लहंगा @ 2,000 रु. प्रति लहंगा
	व्यापारिक बट्टा 5 %
24 सितंबर	मै. बाम्बे फैशन हाऊस को माल की वापसी (डेबिट नोट सं. 103)
	2 फैंसी ट्राऊजर @ 500 रु. प्रति ट्राऊजर
	4 फैंसी हैट @ 100 रु. प्रति हैट
	व्यापारिक बट्टा 5 %
28 सितंबर	मै. ब्राइड पैलेस को माल की वापसी (डेबिट नोट सं. 105)
	1 फैंसी लहंगा @ 2,000 रु. प्रति लहंगा
	व्यापारिक बट्टा 5 %

हल

हाई-लाईफ फैशन्स की पुस्तकें

क्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*आपूर्तिकर्त्ता का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005				
24 सितंबर	714	रतना ट्रेडर्स		19,350
08 सितंबर	327	बाम्बे फैशन हाऊस		6,650
15 सितंबर	6781	जोल्टा फैशन		9,350
20 सितंबर	1076	ब्राइड पैलेस		19,000
30 सितंबर				54,350

© NCERT not to be republished

क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*आपूर्तिकर्त्ता का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005				
10 सितंबर	102	रतना ट्रेडर्स		1,440
24 सितंबर	103	बाम्बे फैशन हाऊस		1,330
28 सितंबर	106	ब्राइड पैलेस		1,900
30 सितंबर				4,670

(ii) खतौनी

मै. हाई-लाइफ फैशन्स की पुस्तकें

रतना ट्रेडर्स का खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005				2005			
10 सितंबर	क्रय वापसी		1,440	01 सितंबर	क्रय		19,350

बाम्बे फैशन हाऊस खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005				2005			
24 सितंबर	क्रय वापसी		1,330	08 सितंबर	क्रय		6,650

जोल्टा फैशन खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005			
				15 सितंबर	क्रय		9,350

ब्राइड पैलेस खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005							
28 सितंबर	क्रय वापसी		1,900	20 सितंबर	क्रय		19,000

© NCERT not to be republished

क्रय खाता

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 30 सितंबर	क्रय रोजनामचे के अनुसार विवध क्रय		54,350				

क्रय वापसी खाता

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005 30 सितंबर	क्रय वापसी पुस्तक के अनुसार विविध क्रय वापसी		4,670

उदाहरण 6

निम्नलिखित लेन-देनों को मै. विनीत स्टोर्स विक्रय और विक्रय वापसी पुस्तक में लिखें:

तिथि	ब्यौरा
01 दिसंबर	मै. रोहित स्टोर्स को उधार माल बेचा (बीजक सं. 325) 30 बाल पुस्तकें @ 60 रु. प्रति पुस्तक 20 जानवर संबंधी पुस्तकें @ 50 रु. प्रति पुस्तक
05 दिसंबर	मै. मीरा स्टोर्स को उधार माल बेचा (बीजक सं. 328) 100 ग्रीटिंग कार्ड @ 12 रु. प्रति कार्ड 50 संगीतमय कार्ड @ 50 रु. प्रति कार्ड व्यापारिक बट्टा 5%
10 दिसंबर	मै. मेगा स्टेशनर्स को उधार माल बेचा (बीजक सं. 329) 50 पैड @ 20 रु. प्रति पैड 50 कलर पुस्तकें कार्ड @ 30 रु. प्रति पुस्तक 20 स्याही पैड @ 16 रु. प्रति पैड
15 दिसंबर	मै. रोहित स्टोर्स से माल की वापसी (क्रेडिट नोट सं. 201) 2 बाल पुस्तकें @ 60 रु. प्रति पुस्तक 1 जानवर संबंधी पुस्तकें @ 50 रु. प्रति पुस्तक
19 दिसंबर	मै. आभा ट्रेडर्स को उधार माल बेचा (बीजक सं. 355)

© NCERT not to be republished

	100 कार्ड पुस्तकें @ 10 रु. प्रति पुस्तक 50 नोट बुक्स @ 35 रु. प्रति बुक व्यापारिक बट्टा 5%
22 दिसंबर	मै. मेगा स्टेशनर्स से उधार माल बेचा (क्रेडिट नोट सं. 204) 2 कलर पुस्तकें कार्ड @ 30 रु. प्रति पुस्तक
26 दिसंबर	मै. भारती स्टोर्स को उधार माल बेचा (बीजक सं. 325) 100 ग्रीटिंग कार्ड पुस्तकें @ 20 रु. प्रति कार्ड 100 फैंसी लिफाफे @ 5 रु. प्रति लिफाफा
30 दिसंबर	मै. आभा ट्रेडर्स से माल की वापसी (क्रेडिट नोट सं. 207) 20 कार्ड पुस्तकें @ 10 रु. प्रति कार्ड 5 नोट बुक्स @ 35 रु. प्रति बुक व्यापारिक बट्टा 5%

हल

विनीत स्टोर्स की पुस्तकें
विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*ग्राहक का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
2005				
01 दिसंबर	325	रोहित स्टोर्स		2,800
05 दिसंबर	328	मेगा स्टोर्स		3,515
10 दिसंबर	329	मेगा स्टेशनर्स		2,820
19 दिसंबर	335	आभा ट्रेडर्स		2,375
26 दिसंबर	340	भारती ट्रेडर्स		2,500
31 दिसंबर				14,010

विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*क्रेडिट नोट सं.*	*ग्राहक का नाम (जमा किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
2005				
15 दिसंबर	201	रोहित स्टोर्स		170
22 दिसंबर	204	मेगा स्टेशनर्स		150
30 दिसंबर	206	आभा ट्रेडर्स		333
31 दिसंबर				653

© NCERT not to be republished

(ii) खतौनी

रोहित स्टोर्स खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 01 दिसंबर	विक्रय		2800	2005 15 दिसंबर	विक्रय वापसी		170

मीरा स्टोर्स का खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 05 दिसंबर	विक्रय		3,515				

मेगा स्टेशनर्स का खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 10 दिसंबर	विक्रय		2,820	2005 22 दिसंबर	विक्रय वापसी		150

आभा ट्रेडर्स का खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 19 दिसंबर	विक्रय		2,375	30 दिसंबर	विक्रय वापसी		333

भारती स्पोर्ट्स का खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 26 दिसंबर	विक्रय		2,500				

© NCERT not to be republished

विक्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005 31 दिसंबर	विक्रय पुस्तक के अनुसार विविध विक्रय		14,010

विक्रय वापसी खाता

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005 31 दिसंबर	विक्रय वापसी पुस्तक के अनुसार विविध विक्रय वापसी		653				

4.6 मुख्य रोजनामचा

ऐसे लेन–देन जिनकी प्रथम प्रविष्टि किसी अन्य पुस्तक में नहीं की जाती उन्हें प्रथमत: पुस्तक में लिखा जाता है उसे मूल रोजनामचा कहते हैं। इस रोजनामचे में निम्न लेन–देनों का अभिलेखन किया जाता है।

1. *आरंभिक प्रविष्टि:* नए लेखांकन वर्ष के आरंभ में नई लेखा पुस्तकें आरंभ करने के लिए परिसंपत्तियों, देनदारियों तथा पूँजी आदि के आरंभिक शेष की प्रविष्टि इसी रोजनामचे में की जाती है।
2. *समायोजन प्रविष्टियां:* उपार्जन के आधार पर खाता–बही की प्रविष्टियों को वर्ष के अंत में ठीक करने के लिए कई बार कुछ समायोजन प्रविष्टियाँ करनी पड़ती हैं जैसे अदत्त किराए, पूर्वदत्त बीमे, मूल्य ह्रास तथा अग्रिम प्राप्त कमीशन आदि। यह सभी प्रविष्टियां मूल रोजनामचे में अभिलिखित की जाती हैं।
3. *शोधन प्रविष्टियां:* मूल प्रविष्टि की पुस्तकों में अशुद्धियों के शोधन व उनकी खतौनी खाता बही में करने के लिए भी इसी रोजनामचे का प्रयोग किया जाता है।
4. *स्थानांतरण प्रविष्टियां:* लेखांकन वर्ष के अंत में आहरण खाते के शेष का स्थानांतरण पूँजी खाते में किया जाता है व्यय व आगम खाते जिनका संतुलन कुछ विशेष लेन–देनों को अभिलिखित करने के कारण नहीं किया गया था। व्यवसाय की क्रियाओं से संबंधित खाते जैसे विक्रय, क्रय, आरंभिक रहतिया, आगम, अधिलाभ व्यय इत्यादि व आहरण आदि को वर्ष के अंत में बंद कर इनका शेष व्यापारिक अथवा लाभ हानि खाते में इसी रोजनामचे में प्रविष्टियों के द्वारा स्थानांतरित किया जाता है। इन सभी प्रविष्टियों को ''अंतिम प्रविष्टियां'' भी कहा जाता है।

© NCERT not to be republished

5. *अन्य प्रविष्टियां* **:** बिन्दु एक चार में उल्लिखित प्रविष्टियों के अतिरिक्त निम्न लेन-देनों की प्रविष्टि मूल रोजनामचे में की जाती है।

(i) एक चेक के अनादरित होने पर उस लेन-देन से संबंधित दी गई या प्राप्त की गई छूट को निरस्त करने संबंधी प्रविष्टि।

(ii) माल के अतिरिक्त अन्य किसी भी वस्तु के उधार क्रय की प्रविष्टि।

(iii) स्वामी द्वारा व्यवसाय से व्यक्तिगत प्रयोग के लिए आहरित वस्तुओं से संबंधित प्रविष्टि।

(iv) विक्रय संवर्धन के लिए नमूने के तौर पर वितरित माल की प्रविष्टि।

(v) विनिमय साध्य प्रलेख के पृष्ठांकन व अनादरण की प्रविष्टि।

(vi) प्रेषण और संयुक्त उपक्रम संबंधी प्रविष्टियां।

(vii) चोरी/खराबी/आग से माल की हानि संबंधी प्रविष्टयां।

स्वयं जाँचिए - 1

सही उत्तर का चयन करें

(अ) जब फर्म रोकड़ बही बनाती है तो उसे बनाने की आवश्यकता नहीं है:

(i) मूल रोजनामचा
(ii) खरीद रोजनामचा
(iii) क्रय रोजनामचा
(iv) खाता बही में बैंक व रोकड़ खाता

(ब) द्विस्तंभीय रोकड़ पुस्तक में अभिलिखित होता है:

(i) सभी लेन-देन
(ii) नकद व बैंक संबंधी लेन-देन
(iii) केवल नकद लेन-देन
(iv) केवल उधार लेन-देन

(स) रोकड़ में खरीदे हुए माल को अभिलिखित किया जाएगा:

(i) क्रय पुस्तक
(ii) विक्रय पुस्तक
(iii) रोकड़ बही
(iv) क्रय वापसी पुस्तक

(त) रोकड़ बही मे कौन से लेन-देन नहीं लिखे जाते:

(i) नकद प्रकृति के
(ii) उधार प्रकृति के
(iii) नकद व उधार प्रकृति के
(iv) कोई भी नहीं

© NCERT not to be republished

(थ) इन लेन-देनों के कुल योग क्या क्रय पुस्तक में प्रविष्ट किए जाऐंगे:
- (i) फर्नीचर की खरीद
- (ii) नकद व उधार खरीद
- (iii) क्रय वापसी
- (iv) स्टेशनरी की खरीद

(द) विक्रय वापसी रोजनामचे का आवधिक योग .... खाते में प्रविष्ट किए जाता है।
- (i) विक्रय खाता
- (ii) माल खाता
- (iii) क्रय वापसी खाता
- (iv) विक्रय वापसी खाता

(ध) रोकड़ बही में बैंक खाते का जमा शेष प्रदर्शित करता है।
- (i) अधिविकर्ष
- (ii) बैंक में जमा की गई रोकड़
- (iii) बैंक से आहरित रोकड
- (iv) कोई भी नहीं

(न) क्रय वापसी रोजनामचे का आवधिक योग .... खाते में प्रविष्ट किया जाता है।
- (i) क्रय खाता
- (ii) लाभ व हानि खाता
- (iii) क्रय वापसी खाता
- (iv) फर्नीचर खाता

(य) खातों को संतुलित करने का अर्थ है
- (i) नाम पक्ष का योग
- (ii) जमा पक्ष का योग
- (iii) नाम व जमा पक्ष के योग के अंतर की गणना
- (iv) कोई भी नहीं

4.7 खातों का संतुलन

खाता बही में खातों को एक निश्चित अवधि के अंत में ही संतुलित किया जाता है। साधारणत: यह समय लेखांकन वर्ष के अंत का होता है। यहाँ उद्देश्य व्यवसाय की वास्तविक स्थिति का अनुमान लगाना होता है। खातों के संतुलन से तात्पर्य है, नाम व जमा पक्ष के कुल योग का बराबर होना। इसके लिए प्रथमत: दोनों पक्षों का अलग-अलग योग निकाला जाता है। फिर दोनों पक्षों के योग के अंतर की गणना की जाती है। तत्पश्चात इस अंतर की राशि को उस पक्ष में लिखा जाता है जिसका योग कम था, इस प्रकार दोनों पक्षों का कुल योग बराबर हो जाता है। दोनों पक्षों की राशियों के अंतर के आगे शेष (c/d) आ/ले लिखते हैं। यह राशि जब नए वर्ष के खाते में लिखी जाती है तो इसके आगे शेष आ/ला (b/d) शब्द लिखते हैं। ऐसा व्यवसाय जीवन अवधि तक किया जाता है अन्यथा उस समय तक जब तक कि वह खाता पूर्ण रूप से बंद न कर दिया जाए।

© NCERT not to be republished

यदि नाम पक्ष का योग जमा पक्ष के योग से अधिक हो तो अंतर की राशि जमा पक्ष की ओर लिखी जाएगी और यदि जमा पक्ष का योग नाम पक्ष के योग से अधिक हो तो अंतर की राशि नाम पक्ष में लिखी जाएगी। यदि यह अंतर नाम पक्ष में लिखा जाए तो खाते के ऐसे शेष को नाम शेष व यदि जमा पक्ष में लिखा जाए तो क्रमशः जमा शेष कहलाता है। हानियों एवं व्ययों के खाते और अभिवृद्धियों एवं आगमों के खातों को संतुलित नहीं किया जाता अपितु उनके शेष को लाभ-हानि खाते में हस्तांतरित कर प्रतिवर्ष उन्हें बंद कर दिया जाता है। निम्न उदाहरण द्वारा लेन-देन खातों के अभिलेखन, उनकी खाता बही के विभिन्न खातों में, खतौनी व खातों के संतुलन की सम्पूर्ण प्रक्रिया को दर्शाया गया है।

तिथि	*विवरण*
2005	
01 अप्रैल	1,00,000 रु. की पूँजी से व्यापार प्रारंभ किया
02 अप्रैल	40,000 रु. बैंक में जमा करवाए
02 अप्रैल	6,000 रु. का फर्नीचर व 42,000 रु. की भूमि नकद खरीदे
03 अप्रैल	17,000 रु. मूल्य के बिजली के तार व पिला का क्रय मैं. मलिका ब्रदर्स से किया जिसका भुगतान चेक द्वारा हुआ
04 अप्रैल	मै. हौन्डा कंपनी से बीजक संख्या 544 के अनुसार क्रय किए गए 28 इमरसन हीटर (1,000 वाट) @ 50 रु. प्रति हीटर 28 ट्यूब @ 35 रु. प्रति ट्यूब घटा व्यापार बट्टा 12.5%
04 अप्रैल	2,300 रु. की नकद स्टेशनरी खरीदी
05 अप्रैल	मैं. दयाल ट्रेडर्स से 6% की ब्याज दर से 25,000 रु. का ऋण लिया जिसे अगले दिन बैंक में जमा करवाया
05 अप्रैल	80 रु. माल की ढुलाई व 20 रु. अन्य शुल्क का भुगतान किया
06 अप्रैल	मैं. बुरारी लि. से बीजक संख्या 125 के अनुसार क्रय किया 50 यूनिवर्सल टेबल लैम्प @ 80 रु. प्रति टेबल लैम्प 20 बिजली से चलने वाली साधारण केतलियां @ 125 रु. प्रति केतली 5 प्रेस @ 300 प्रति प्रेस व्यापारिक बट्टा 20%
07 अप्रैल	मै. रमनीक से बीजक सं. 871 के अनुसार विक्रय किया 10 इमरसन हीटर (1000 वाट) @ 60 रु. प्रति हीटर 5 टेबल लैम्प @ 100 रु. प्रति लैम्प 2 प्रेस @ 320 रु. प्रति प्रैस
08 अप्रैल	मै. कपाडिया को बीजक संख्या 880 के अनुसार उधार बेचा 15 इमरसन @ 60 रु. प्रति हीटर 15 ट्यूब लाइट @ 38 रु. प्रति हीटर
10 अप्रैल	मै रमनीक से विक्रय वापसी 2 इमरसन हीटर; 1 प्रेस

© NCERT not to be republished

11 अप्रैल	4,000 रु. चेक द्वारा किराए का भुगतान किया
11 अप्रैल	मै. रुगटा से नकद भुगतान कर क्रय किया 5 इमरसन हीटर (1000 वॉट) @ 45 रु. प्रति हीटर
12 अप्रैल	मुरारी लि. को माल वापस किया (i) 3 टेबल लैम्प (युनिवर्सल) (ii) 2 बिजली की केतलियाँ। (ii) 1 प्रेस।
15 अप्रैल	क्वालिटी फर्नीचर लि. से 8,000 रु. का फर्नीचर खरीदा
16 अप्रैल	विज्ञापन व्यय के रूप में 12,000 रु. का भुगतान किया
18 अप्रैल	मै. दमन को बीजक संख्या 901 के अनुसार उधार विक्रय किया 10 बिजली की साधारण केतलियां @ 130 रु. प्रति केतली
19 अप्रैल	मै. कोचर कं. से बीजक सं. 205 के अनुसार उधार क्रय किया 25 मिक्सी @ 600 रु. प्रति मिक्सी 40 प्रेस (विशेष) @ 540 रु. प्रति प्रैस व्यापारिक बट्टा 20%
20 अप्रैल	मै. रमनीक को बिल नं. 925 के अनुसार विक्रय किया 4 मिक्सी @ 600 रु. प्रति मिक्सी
21 अप्रैल	मै. रमनीक से 3,700 रु. का चेक उनके द्वारा देय राशि के अन्तिम भुगतान के रूप में प्राप्त किया। जिसे दो दिन बाद बैंक में जमा करवाया
21 अप्रैल	मै. बुरारी लि. से बीजक सं. 157 के अनुसार उधार क्रय किया 10 बिजली की केतलियां @ 125 रु. प्रति केतली 20 बिजली के लैम्प @ 80 रु. प्रति लैम्प व्यापारिक छूट 20%
23 अप्रैल	मै. नूतन को बीजक संख्या 958 के अनुसार विक्रय 2 मिक्सी @ 600 प्रति मिक्सी
23 अप्रैल	14,500 रु. की बिजली की तारो व प्लगों की नकद बिक्री। दी गई नकद छूट 200 रु.
24 अप्रैल	मै. हितेश से नकद क्रय 5 पंखे @ 740 रु. प्रति पंखा
25 अप्रैल	1,320 रु. के विद्युत शुल्क का भुगतान किया
25 अप्रैल	मै. बुरारी लि. को चेक द्वारा भुगतान किया उनसे 320 रु. की छूट प्राप्त की
26 अप्रैल	मै. मोहित मार्ट से 3,200 रु. की स्टेशनरी खरीदी
27 अप्रैल	मैं. दमन को बीजक सं. 981 के अनुसार उधार विक्रय 15 टेबल लैम्प @ 100 रु. 10 इमरसन हीटर (1000 वाट) @ 80 रु.

© NCERT not to be republished

28 अप्रैल	5,000 रु. बैंक में जमा करवाए
30 अप्रैल	8,000 रु. व्यक्तिगत प्रयोग के लिए आहरित किए
30 अप्रैल	चेक द्वारा 2,700 रु. के टेलिफोन बिल का भुगतान किया
30 अप्रैल	चेक द्वारा 1,600 रु. की बीमा की किस्त का भुगतान किया
30 अप्रैल	मै हौन्डा व कंपनी को 2,450 रु. का भुगतान चेक द्वारा किया
	रुगता को भी 28,000 रु. का भुगतान चेक द्वारा किया व उसने हमें 1,280 रु. छूट दी।

क्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*आपूर्तिकर्त्ता का नाम (जमा किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
2005				
04 अप्रैल	544	हौन्डा कं.		2,450
06 अप्रैल	125	बुरारी लि.		6,400
19 अप्रैल	205	कोच्चर कं. लि.		29,280
21 अप्रैल	157	बुरारी लि.		2,280
30 अप्रैल				40,410

विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*ग्राहक का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
2005				
07 अप्रैल	871	रमनीक		1,740
08 अप्रैल	880	कपाड़िया		1,470
18 अप्रैल	902	दमन		1,300
20 अप्रैल	925	रमनीक		2,400
23 अप्रैल	958	नूतन		1,200
27 अप्रैल	981	दमन		2,300
30 अप्रैल				10,410

क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*आपूर्तिकर्त्ता का नाम (नाम किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
2005				
12 अप्रैल		बुरारी लि.		632
30 अप्रैल				632

© NCERT not to be republished

विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक

तिथि	*बीजक सं.*	*ग्राहक का नाम (जमा किये जाने वाला खाता)*	*ब.पृ.स.*	*राशि रु.*
10 अप्रैल		रमनीक		440
30 अप्रैल				440

मुख्य रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*डेबिट राशि रु.*	*क्रेडिट राशि रु.*
2005				
15 अप्रैल	फर्नीचर खाता नाम		8,000	
	क्वालिटी फर्नीचर खाता			8,000
	(उधार पर फर्नीचर खरीदा)			
25 अप्रैल	बुरारी लि. खाता नाम		320	
	बट्टा खाता			320
	(बट्टा प्राप्त)			
26 अप्रैल	स्टेशनरी खाता नाम		3,200	
	मोहित मार्ट खाता			3,200
	(उधार पर स्टेशनरी की खरीद)			
30 अप्रैल	कोच्चर खाता नाम		1,280	
	बट्टा खाता			1,280
	(बट्टा प्राप्त)			
	योग		12,800	12,800

रोकड़ बही

नाम **जमा**

तिथि	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*ब.पृ.सं.*	*रोकड़ रु.*	*बैंक रु.*
2005 अप्रैल					2005 अप्रैल				
01	पूँजी		1,00,000		02	बैंक	**C**	40,000	
02	रोकड़	**C**		40,000	02	फर्नीचर		6,000	

© NCERT not to be republished

05	6% ऋण		25,000		02	भूमि		42,000	
06	रोकड़	C		25,000	03	क्रय			17,000
21	रमनीक		3,700		04	स्टेशनरी		2,300	
23	रोकड़	C		3,700	05	विविध व्यय		100	
23	विक्रय		14,500		06	बैंक	C	25,000	
28	रोकड़	C		5,000	11	किराया			4,000
					11	क्रय		225	
					16	विज्ञापन		1,200	
					23	बैंक	C	3,700	
					24	क्रय		3,700	
					25	विजली शुल्क		1,320	
					25	भारती लि.			7,728
					28	बैंक	C	5,000	
					30	आहरण		8,000	
					30	टेलिफोन व्यय			2,700
					30	बीमा		1,600	
					30	हौन्डा कं.			2,450
					30	कोच्चर एण्ड कं.			28,000
					30	शेष आ/ले		4,655	10,222
30			1,43,200	73,700	30			1,43,200	73,700
मई									
01	शेष आ/ला		4,655	10,222					

अभिलिखित सौदों की खतौनी इस प्रकार की जाएगी।

पूँजी खाता

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
2005				2005			
30 अप्रैल	शेष आ/ले		1,00,000	01 अप्रैल	रोकड़		1,00,000
			1,00,000				1,00,000

© NCERT not to be republished

6% ऋण खाता

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
30 अप्रैल	शेष आ/ले		25,000	05 अप्रैल	रोकड़		25,000
			25,000				25,000

रमनीक का खाता

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
07 अप्रैल	विक्रय		1,740	10 अप्रैल	विक्रय वापसी		440
20 अप्रैल	विक्रय		2,400	21 अप्रैल	रोकड़		3,700
			4,140				4,140

विक्रय खाता

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005			
				23 अप्रैल	रोकड़		14,500
				30 अप्रैल	विविध विक्रय		10,410
							24,910

फर्नीचर खाता

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
02 अप्रैल	रोकड़		6,000	30 अप्रैल	शेष आ/ले		14,000
15 अप्रैल	क्वालिटी फर्नीचर		8,000				
			14,000				14,000

© NCERT not to be republished

भूमि खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
02 अप्रैल	रोकड़		42,000	30 अप्रैल	शेष आ/ले		42,000
			42,000				42,000

क्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005							
03 अप्रैल	बैंक		17,000				
11 अप्रैल	बैंक		225				
24 अप्रैल	रोकड़		3,700				
30 अप्रैल	विविध क्रय		40,410				
			61,335				

स्टेशनरी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005							
04 अप्रैल	रोकड़		2,300				
26 अप्रैल	मोहित मार्ट		3,200				
			5,500				

विविध व्यय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005							
05 अप्रैल	रोकड़		100				
			100				

© NCERT not to be republished

किराया खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 04 अप्रैल	बैंक		4,000				
			4,000				

विज्ञापन खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 16 अप्रैल	रोकड		1,200				
			1,200				

बिजली व्यय खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 25 अप्रैल	रोकड़		1,320				
			1,320				

आहरण खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005 30 अप्रैल	रोकड़		8,000				
			8,000				

© NCERT not to be republished

टेलीफोन शुल्क खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
30 अप्रैल	बैंक		2,700				
			2,700				

बीमा खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005							
30 अप्रैल	बैंक		1,600				
			1,600				

क्वालिटी फर्नीचर खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
30 अप्रैल	शेष आ/ले		8,000	15 अप्रैल	फर्नीचर		8,000
			8,000				8,000

मोहित मार्ट खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
30 अप्रैल	शेष आ/ले		3,200	26 अप्रैल	स्टेशनरी		3,200
			3,200				3,200

© NCERT not to be republished

क्रय वापसी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
				2005			
				30 अप्रैल	विविध क्रय वापसी		632
							632

हौन्डा कंपनी का खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
30 अप्रैल	बैंक		2,450	04 अप्रैल	क्रय		2,450
			2,450				2,450

बुरारी लि. खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
12 अप्रैल	क्रय वापसी		632	06 अप्रैल	क्रय		6,400
					क्रय		2,280
25 अप्रैल	बैंक		7,728	21 अप्रैल			
	बट्टा		320				
			8,680				8,680

कोच्चर लि. खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
30 अप्रैल	बैंक		28,000	19 अप्रैल	क्रय		29,280
	बट्टा		1,280				
			29,280				29,280

© NCERT not to be republished

विक्रय वापसी खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
30 अप्रैल	विवध विक्रय वापसी		440	30 अप्रैल			
			440				

कपाड़िया का खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
08 अप्रैल	विक्रय		1,470	30 अप्रैल	शेष आ/ले		1,470
			1,470				1,470

दमन का खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
18 अप्रैल	विक्रय		1,300	30 अप्रैल	शेष आ/ले		3,600
27 अप्रैल	विक्रय		2,300				
			3,600				3,600

नूतन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
2005				2005			
23 अप्रैल	विक्रय		1,200	30 अप्रैल	शेष आ/ले		1,200
			1,200				1,200

© NCERT not to be republished

बट्टा प्राप्ति खाता

नाम *जमा*

तिथि	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*	*तिथि*	*विवरण*	*रो.पृ.सं.*	*राशि रु.*
				2005			
				25 अप्रैल	बुरारी लि.		320
				30 अप्रैल	कोच्चर		1,280
							1,600

स्वयं जाँचिए - 2

1. रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए –

(क) रोकड़ बही एक .... रोजनामचा है।
(ख) मूल रोजनामचे में केवल .... छूट ही अभिलिखित की जाती है।
(ग) माल के पूर्तिकार से क्रय माल में से यदि कुछ माल वापिस किया जाता है तो उसका अभिलेखन .. .. रोजनामचे में होगा।
(घ) उधार बेची गई संपत्ति का अभिलेखन .... में होगा।
(ङ.) द्विस्तंभीय रोकड़ बही में .... व .... से संबंधित लेन-देनों का अभिलेखन किया जाता है।
(च) रोकड़ बही के नाम पक्ष का योग उसके जमा पक्ष के योग से .... होता है।
(छ) रोकड़ बही में .... संबंधी सौदों का लेखा नही किया जाता।
(ज) द्विस्तंभीय रोकड़ बही में .... संबंधी लेन-देनों का अभिलेखन भी किया जाता है।
(झ) रोकड़ बही के बैंक स्तंभ का जमा शेष .... की स्थिति का प्रदर्शन करता है।
(ञ) खुदरा रोकड़िये को अवधि के आरंभ में दी गई रोकड़ .... कहलाती है।
(ट) .... पर क्रय किए गए माल को क्रय पुस्तक में अभिलिखित किया जाता है।

2. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य:

(क) रोजनामचा गौण प्रविष्टि की पुस्तक है।
(ख) यदि किसी प्रविष्टि में एक खाते को नाम व एक से अधिक खातों को जमा पक्ष में अभिलिखित किया जाए तो ऐसी प्रविष्टि को संयुक्त/मिश्रित प्रविष्टि कहते हैं।
(ग) उधार पर विक्रय हुए परिसंपत्तियों का अभिलेखन विक्रय पुस्तक में किया जाता है।
(घ) क्रय पुस्तक में नकद व उधार क्रय का अभिलेखन किया जाता है।
(ङ.) विक्रय रोजनामचे में रोकड़ विक्रय की प्रविष्टि की जाती है।
(च) रोकड़ बही में प्राप्तियों व भुगतान संबंधी लेन-देनों का अभिलेखन किया जाता है।
(छ) खाता बही एक सहायक पुस्तक है।
(ज) खुदरा रोकड़ बही में बड़े भुगतानों का अभिलेखन किया जाता है।
(झ) रोकड़ बही के नाम पक्ष में नकद प्राप्तियों का अभिलेखन किया जाता है।

© NCERT not to be republished

(ञ) ऐसा लेन-देन जिसका अभिलेखन रोकड़ बही के नाम व जमा दोनों पक्षों में हो विपर्यय लेन-देन कहलाते हैं।
(ट) खातों के सन्तुलन से तात्पर्य है नाम व जमा पक्ष का योग निकालना
(त) मशीन की उधार खरीद को क्रय रोजनामचे में अभिलिखित किया जाएगा।

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

- रोकड़ बही
- दैनिक पुस्तकें
- विक्रय (रोजनामचा) पुस्तक
- विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक
- खातों का संतुलन
- खुदरा रोकड़ बही
- क्रय (रोजनामचा) पुस्तक
- क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक
- खतौनी

अधिगम उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश

1. *रोजनामचा:* मूल प्रविष्टि की आधारभूत पुस्तक।
2. *रोकड़ बही:* एक ऐसी पुस्तक व्यापार में जिसका प्रयोग समस्त नकद प्राप्तियों व भुगतानों को अभिलिखित करने के लिए किया जाता है।
3. *खुदरा रोकड़ बही:* ऐसी पुस्तक जिसका प्रयोग छोटी राशि के नकद भुगतानों के अभिलेखन के लिए किया जाता है।
4. *क्रय रोजनामचा:* एक विशेष रोजनामचा जिसका प्रयोग केवल माल उधार के अभिलेखन के लिए किया जाता है।
5. *विक्रय रोजनामचा:* एक विशेष रोजनामचा जिसका प्रयोग केवल माल के उधार विक्रय का अभिलेखन करने के लिए किया जाता है।
6. *क्रय वापसी पुस्तक:* ऐसी पुस्तक जिसमें क्रय माल की वापसी के सौदों का अभिलेखन किया जाता है।
7. *विक्रय वापसी पुस्तक:* ऐसी विशेष पुस्तक जिसमें उधार बेचे माल में से वापस आए माल संबंधी सौदे का अभिलेखन किया जाता है।

अभ्यास के लिए प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संक्षेप में बताइये कि किस प्रकार रोकड़ बही एक रोजनामचा व खाता बही दोनों है।
2. विपर्यय प्रविष्टि का क्या उद्देश्य है?
3. विशिष्ट उद्देश्य पुस्तकें क्या हैं?
4. खुदरा रोकड़ बही क्या है? इसे किस प्रकार बनाया जाता है।
5. रोजनामचे की प्रविष्टियों की खतौनी से आप क्या समझते हैं।
6. सहायक रोजनामचा बनाने का क्या उद्देश्य है?
7. आंतरिक वापसी व बाह्य वापसी में अंतर बताइए।

© NCERT not to be republished

8. खाता बही पृष्ठ संख्या से आप क्या समझते हैं?
9. व्यापारिक छूट व नकद छूट में क्या अंतर है?
10. रोजनामचे से खाता-बही बनाने की प्रक्रिया लिखिए।
11. खुदरा रोकड़ बही में अग्रिम राशि से आप क्या समझते हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

1. विशिष्ट पुस्तकें लिखने की आवश्यकता का वर्णन कीजिए।
2. रोकड़ बही से आप क्या समझते हैं? इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
3. विर्पयय प्रविष्टि से आप क्या समझते हैं? द्विस्तंभीय रोकड़ बही बनाते समय आप इनकी प्रविष्टि कैसे करेंगे?
4. खुदरा रोकड़ बही से आप क्या समझते हैं? खुदरा रोकड़ बही के लाभ लिखिए।
5. रोजनामचे के विभाजन से होने वाले लाभों का वर्णन कीजिए।
6. खातों के सन्तुलन से आप क्या समझते हैं।

अंकिक प्रश्न

एक स्तंभीय रोकड़ बही

1. निम्नलिखित दिसंबर 2005 के लेन-देनों की प्रविष्टि एक स्तंभीय रोकड़ बही में करें:

		रु.
01	हस्तस्थ रोकड़	12,000
05	भानू से नकद प्राप्ति	4,000
07	किराये का भुगतान	2,000
10	मुरारी से नकद माल खरीदा	6,000
15	माल की नकद बिक्री	9,000
18	लेखन सामाग्री खरीदी	300
22	राहुल को उधार माल की खरीद का भुगतान	2,000
28	वेतन का भुगतान	1,000
30	किराये का भुगतान	500

(*उत्तर:* हस्तस्थ रोकड़ 13,200 रु.)

2. नवंबर 2005 माह के निम्न सौदों को एकस्तंभीय रोकड़ बही में लिखें:

		रु.
01	हस्तस्थ रोकड़	12,500
04	हरि को नकद भुगतान	600
07	माल की खरीद	800
12	अमित से नकद प्राप्ति	1,960
16	माल की नकद बिक्री	800
20	मनीष को भुगतान	590
25	ढुलाई का भुगतान	100

© NCERT not to be republished

31	वेतन का भुगतान	1,000

(उत्तर: हस्तस्थ रोकड़ 12,170 रु.)

3. निम्नलिखित सूचना के आधार पर वर्ष 2005 दिसंबर माह की द्विस्तंभीय रोकड़ बही बनाएं:

		रु.
01	हस्तस्थ रोकड़	7,750
06	सोनू को भुगतान	45
08	माल का क्रय	600
15	प्रकाश से नकद प्राप्ति	960
20	नकद विक्रय	500
25	एस. कुमार को भुगतान	1,200
30	किराये का भुगतान	600

(उत्तर: हस्तस्थ रोकड़ 6,765 रु.)

बैंक स्तंभ रोकड़ बही

4. वर्ष 2005 के दिसंबर माह के लेन-देनों को बैंक स्तंभ रोकड़ बही में दर्शायें

		रु.
01	रोकड़ से व्यवसाय आरंभ किया	80,000
04	बैंक में नकद जमा कराया	50,000
10	राहुल से नकद प्राप्त किया	1,000
15	नकद माल खरीदा	8,000
22	चेक देकर माल खरीदा	10,000
25	श्याम को नकद भुगतान	20,000
30	कार्यालय उपयोग के लिए बैंक से राशि आहरित	2,000
31	चेक से किराये का भुगतान किया	1,000

(उत्तर: हस्तस्थ रोकड़ 5,000 रु., बैंक में रोकड़ 37,000 रु.)

5. निम्न सूचना के आधार पर दिसम्बर 2005 के लिए द्विस्तंभीय रोकड़ बही बनाइये।

दिसंबर 2005		रु.
01	रोकड़ से व्यावसाय प्रारंभ किया	1,20,000
03	बैंक में नकद जमा कराया	50,000
05	सुष्मिता से माल खरीदा	20,000
06	दिनकर को माल बेच चेक प्राप्त किया	20,000
10	सुष्मिता को नकद भुगतान किया	20,000
14	6 दिसंबर 2005 को चेक प्राप्त कर बैंक में जमा किया	
18	रानी को माल बेचा	12,000
20	ढुलाई का भुगतान नकद किया	500
22	रानी से भुगतान नकद प्राप्त किया	12,000
27	कमीशन प्राप्त की	5,000

© NCERT not to be republished

30	व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ आहरित की	2,000

(उत्तर: हस्तस्थ रोकड़ 64,500 रु., बैंक में रोकड़ 70,000 रु.)

6. मै. अम्बिका ट्रेडर्स के लिए निम्न लेन-देनों को नवम्बर 2005 की रोकड़ बही में अभिलिखित कीजिए।

नवंबर 2005		(रु.)
01	रोकड़ से व्यवसाय प्रारंभ किया	50,000
03	आई. सी. आई. सी. आई. बैंक में खाता खोला	30,000
05	नकद माल खरीदा	10,000
10	नकद भुगतान कर कार्यालय के लिए मशीन खरीदी	5,000
15	रोहन को माल का विक्रय कर चेक प्राप्त किया	7.000
18	नकद विक्रय	8.000
20	रोहन का चेक बैंक में जमा करवाया	7.000
22	चेक द्वारा ढुलाई का भुगतान किया	500
25	व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ का आहरण किया	2,000
30	चेक द्वारा किराये का भुगतान किया	1,000

(उत्तर: हस्तस्थ रोकड़ 11,000 रु. बैंक में रोकड़ 35,500 रु.)

7. निम्न सूचना के आधार पर सितम्बर 2004 के लिए द्विस्तंभीय रोकड़ बही बनाइए।

सितंबर 2005		रु.
01	हस्तस्थ रोकड़	7,500
01	बैंक अधिविकर्ष	3,500
03	मजदूरी का भुगतान किया	200
05	नकद विक्रय	7,000
10	नकद बैंक में जमा करवाई	4,000
15	माल खरीदा व चेक द्वारा भुगतान किया	2,000
20	किराए का भुगतान किया	500
25	बैंक से व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ निकाली	400
30	वेतन का भुगतान किया	1,000

(उत्तर: हस्तस्थ रोकड़ 8,800 रु. बैंक अधिविकर्ष 1,900 रु.)

8. मै. मोहित ट्रेडर्स के जनवरी 2005 के निम्न लेन-देनों को द्विस्तरीय रोकड़ बही में अभिलिखित कीजिए।

जनवरी 2005		रु.
01	हस्तस्थ रोकड़	3,500
	बैंक अधिविकर्ष	2,300
03	नकद माल क्रय किया	1,200
05	मजदूरी का भुगतान किया	200
10	नकद विक्रय	8,000
15	बैंक में रोकड़ जमा की	6,000

© NCERT not to be republished

22	माल के विक्रय से प्राप्त चेक जिसे उसी दिन बैंक में जमा किया	2,000
25	चेक द्वारा किराया दिया	1,200
28	व्यक्तिगत प्रयोग के लिए बैंक से रोकड़ आहरित की	1,000
31	चेक द्वारा भुगतान कर माल खरीदा	1,000

(*उत्तर:* हस्तस्थ रोकड़ 4,100 रु., बैंक में रोकड़ 2,500 रु.)

9. निम्न लेन-देनों की सहायता से दिसम्बर 2005 के लिए द्विस्तंभीय रोकड़ बही बनाइए।

दिसंबर	2005	रु.
01	हस्तस्थ रोकड़	17,500
	बैंक में रोकड़	5,000
03	माल का नकद क्रय	3,000
05	जसमीत से चेक प्राप्त किया	10,000
08	नकद माल का विक्रय	7,000
10	जसमीत से प्राप्त चेक बैंक में जमा करवाया	
12	माल का क्रय कर चेक द्वारा भुगतान किया	20,000
15	स्थापना व्यय का भुगतान बैंक के माध्यम से किया	1,000
18	नकद विक्रय	7,000
20	बैंक में रोकड़ जमा करवाई	10,000
24	व्यापारिक व्यय का भुगतान किया	500
27	कमीशन का चेक प्राप्त किया	6,000
29	किराए का भुगतान किया	2,000
30	रोकड़ का आहरण व्यक्तिगत प्रयोग के लिए किया	1,200
31	वेतन का भुगतान किया	6,000

(*उत्तर:* हस्तस्थ रोकड़ 8,800 रु. बैंक में रोकड़ 10,000 रु.)

10. मै. रुचि ट्रेडर्स ने अपनी दिसम्बर 2005 माह की रोकड़ बही का आरंभ हस्तस्थ रोकड़ 1,354 रु. व बैंक चालू खाते का शेष 7,560 रु. से किया, उनके अन्य लेन देन निम्न है:

		रु.
03	नकद विक्रय	2,300
05	माल का क्रय व चेक द्वारा भुगतान	6,000
08	नकद विक्रय	10,000
12	व्यापारिक व्ययों का भुगतान	700
15	माल के विक्रय से प्राप्त चेक जिसे उसी दिन बैंक में जमा करवाया गया	20,000
18	मोटर कार खरीद कर चेक द्वारा भुगतान किया	15,000
20	मनीषा से चेक प्राप्त कर उसी दिन बैंक में जमा करवाया	10,000
22	नकद विक्रय	7,000
25	मनीषा का चेक अनादरित हो बैंक से वापिस लौट आया	
28	किराए का भुगतान किया	2,000

© NCERT not to be republished

29	टेलिफोन व्यय का भुगतान चेक द्वारा किया	500
31	व्यक्तिगत प्रयोग के लिए रोकड़ का आहरण	2,000

बैंक स्तंभीय रोकड़ बही बनाइए।

(*उत्तर:* हस्तस्थ रोकड़ 15,954 रु. व बैंक में रोकड़ 6,060 रु.)

खुदरा रोकड़ बही

11. निम्नलिखित लेन-देनों से खुदरा रोकड़ बही तैयार करें। अग्रिम राशि 2,000 रु. है।

		रु.
01	ढुलाई का भुगतान किया	50
02	STD शुल्क	40
02	बस का किराया	20
03	डाक	30
04	कर्मचारियों के लिए जलपान	80
06	कुरियर शुल्क	30
08	ग्राहक को जलपान	50
10	ढुलाई	35
15	मैनेजर का टैक्सी भाड़ा	70
18	लेखन सामग्री	65
20	बस का किराया	10
22	फैक्स शुल्क	30
25	टेलिग्राम शुल्क	35
27	डाक टिकटें	200
29	फर्नीचर की मरम्मत	105
30	धुलाई व्यय	115
31	विविध व्यय	100

(*उत्तर:* रोकड़ शेष 925 रु.)

12. 30 दिसंबर, 2005 के निम्नलिखित साप्ताहिक लेन-देनों को खुदरा रोकड़ पुस्तक में लिखें। साप्ताहिक अग्रिम राशि 500 रु. है:

		रु.
24	लेखन सामग्री	100
25	बस का किराया	12
25	ढुलाई	40
26	टैक्सी का किराया	80
27	आकस्मिक क्रय मजदूरी	90
29	डाक	80

(*उत्तर:* रोकड़ शेष 98 रु.)

© NCERT not to be republished

अन्य सहायक पुस्तकें

13. मै. गुप्ता ट्रेडर्स के क्रय (रोजनामचे) पुस्तक में जुलाई 2005 के निम्न लेन-देनों का अभिलेखन कीजिए:

01 राहुल ट्रेडर्स से बीजक संख्या 20041 के अनुसार क्रय किया
40 रजिस्टर @ 60 रु. प्रति
80 जेल पेन @ 15 रु. प्रति
50 कॉपियां @ 20 रु. प्रति
व्यापारिक बट्टा 10%

15 ग्लोबल स्टेशनर्स से बीजक संख्या 1,132 के अनुसार क्रय किया
40 इंक पैड @ 8 रु. प्रति
50 फाइलें @ 10 रु. प्रति
20 रंग भरने की पुस्तकें @ 20 रु. प्रति व्यापरिक छूट 5%

23 लांबा फर्नीचर से बीजक संख्या 3201 के अनुसार खरीदा
2 कुर्सियां @ 600 रु. प्र. कु.
1 मेज @ 1000 रु. प्र. मेज

25 मुबई ट्रेडर्स से बीजक संख्या 1111 के अनुसार क्रय किया
10 रिम पेपर 100 रु. प्र. रि.
400 चित्रकला पेपर @ 3 रु. प्रति पेपर
20 पेकेट पानी वाले रंग @ 40 रु. प्र. पैकेट

(*उत्तर:* क्रय रोजनामचे का योग 8,299)

14. मै. बंसल इलैक्ट्रॉनिक्स के विक्रय (रोजनामचे) पुस्तक में निम्न लेन-देन को प्रविष्ट कीजिए।

सितम्बर

1 विपत्र सं. 4321 के अनुसार अमित ट्रेडर्स को विक्रय किया
20 जेब के रेडियो @ 70 रु. प्र. रे.
2 श्वेत श्याम टी. वी. @ 800 रु. प्र. टी. वी.

10 विपत्र 4,351 के अनुसार अरुण इलेक्ट्रॉनिक्स को विक्रय किया
5(20") के श्वेत श्याम टी. वी. @ 3,000 रु. प्र. टी. वी.
2(21") के रंगीन टी. वी. @ 4,800 रु. प्र. टी. वी.

22 विपत्र संख्या 4,399 के अनुसार हौन्डा इलेक्ट्रॉनिक्स को विक्रय किया
10 टेप रिकार्डर @ 600 रु. प्रति टेप रिकार्डर
5 वॉकमेन @ 300 रु. प्रति वॉकमेन

28 हरीश ट्रेडर्स को विपत्र संख्या 4,430 के अनुसार विक्रय किया
610 जूसर मिक्सर @ 800 रु. प्रति जूसर मिक्सर

(*उत्तर:* विक्रय पुस्तक का योग 43,100 रु.)

15. निम्न लेन-देनों की सहायता से जनवरी 2006 के लिए क्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक बनाइये।

05 मैं कार्तिक ट्रेडर्स को 1,200 रु. मूल्य का माल वापस किया

10 साहिल (प्रा.) लिमिटेड को 2,500 रु. मूल्य का माल वापस किया।

© NCERT not to be republished

17 मै. कोहिनूर ट्रेडर्स को सूची मूल्य 2,000 रु. घटा 10% व्यापारिक छूट, मूल्य का माल वापस किया।

28 मै. हॉन्डा ट्रेडर्स को 550 रु. की बाह्य वापसी हुई।

(*उत्तर:* क्रय वापसी पुस्तक का योग) 6,050 रु.)

16. मै. बंसल इलेक्ट्रोनिक्स के लिए नवंबर, 2005 के निम्न लेन-देनों की सहायता से विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक बनाइए

04 मैं गुप्ता ट्रेडर्स ने 1,500 रु. मूल्य का माल वापस किया

10 मै. हरीश ट्रेडर्स से 800 रु. मूल्य का माल वापस आया

18 मैं राहुल ट्रेडर्स ने निर्देशानुसार माल न होने के कारण 1,200 रु. मूल्य का माल वापस किया

28 सुशील ट्रेडर्स से 1,000 रु. मूल्य का माल वापस आया

(*उत्तर:* विक्रय वापसी (रोजनामचा) पुस्तक का योग 4,500 रु.)

अभिलेखन खतौनी व संतुलन

17. फरवरी 2006 के निम्न लेन-देनों को मूल रोजनामचे व सहायक बहियों में अभिलिखित कर खाता बही में खतौनी कीजिए।

फरवरी	2006	रु.
01	सचिन का माल बेचा	5,000
04	कुशल ट्रेडर्स से माल खरीदा	2,480
06	मनीष ट्रेडर्स को माल बेचा	2,100
07	सचिन से माल वापस आया	600
08	कुशल ट्रेडर्स से माल वापस आया	280
10	मुकेश का माल बेचा	3,300
14	कुणाल ट्रेडर्स से माल खरीदा	5,200
15	तरुण से फर्नीचर खरीदा	3,200
17	नरेश से माल खरीदा	4,060
20	कुनाल ट्रेडर्स को माल वापस किया	200
22	मुकेश से माल वापस आया	250
24	कीर्ति व कम्पनी से 5,700 रु. के सूची मूल्य का माल खरीदा व उस पर 10% की व्यापारिक छूट पाई	
25	श्री चांद को 6,600 रु. का माल बेचा व उन्हें 5% की व्यापारिक छूट दी।	
26	रमेश ब्रदर्स को माल बेचा	4,000
28	कीर्ति व कंपनी को 1,000 रु. घटा 10% व्यपारिक छूट मूल्य का माल वापस किया गया	
28	रमेंश ब्रदर्स से माल वापस आया	500

© NCERT not to be republished

18. निम्नलिखित शेष मार्वल ट्रेडर्स के 1 अप्रैल, 2006 के खाता बही से लिये गये हैं:

	रु.
हस्तथ रोकड़	6,000
बैंकस्थ रोकड़	12,000
प्राप्य विपत्र	7,000
रमेश (जमा)	3,000
रहतिया	5,400
देय विपत्र	2,000
राहुल (नाम)	9,700
हिमांशु (नाम)	10,000

माह के दौरान लेन-देन इस प्रकार थे:

अप्रैल		रु.
01	मनीष को माल का विक्रय	3,000
02	रमेश से माल का क्रय	8,000
03	राहुल से पूर्ण भुगतान प्राप्त	9,200
05	हिमांशु से नकद प्राप्ति	4,000
06	चेक द्वारा रमेश का भुगतान	6,000
08	चेक द्वारा किराये का भुगतान	1,200
10	मनीष से नकद प्राप्ति	3,000
12	नकद विक्रय	6,000
14	रमेश को माल वापस किया	1,000
15	रमेश को पूर्ण भुगतान	3,700
	बट्टा प्राप्त	300
18	कुशल को माल बेचा	10,000
20	व्यापारिक व्ययों का भुगतान	200
21	व्यक्तिगत प्रयोग हेतु आहरण	1,000
22	कुशल से माल की वापसी	1,200
24	कुशल से नकद प्राप्त	6,000
26	स्टेशनरी का भुगतान	100
27	डाक व्यय	60
28	वेतन का भुगतान	2,500
29	शीतल ट्रेडर्स से माल का क्रय	7,000
30	कीरत को माल बेचा	6,000
	हौन्डा ट्रेडर्स से माल का क्रय	5,000

उपरोक्त लेन-देनों की रोजनामचे प्रविष्टि करें और उपयुक्त खातों में खतौनी करें।

© NCERT not to be republished

स्वंय जाँचिए की जाँच सूची

स्वयं जाँचिए - 1

अ	(iv)	ब	(ii)	स	(iii)	त	(ii)	थ	(ii)
द	(iv)	ध	(ii)	न	(iii)	य	(iii)		

स्वयं जाँचिए - 2

1. (क) सहायक (ख) रोकड़ (ग) क्रय वापसी (घ) प्रमुख रोजनामचा
   (ड.) रोकड, बैंक (च) ज्यादा (छ) क्रेडिट (ज) बैंक (झ) अधिविकर्ष (ञ) अग्रिम (ट) क्रेडिट
2. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) गलत (ड.) गलत (च) सही (छ) सही (ज) गलत (ट) सही (ञ) सही (त) गलत (थ) गलत

© NCERT not to be republished